दैनिक

पुष्पांजली टुडे

MPHIN/2021/83938

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 213 | ग्वालियर बुधवार, 24 मई 2023 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

न्यूज ट्रैक

8 राज्यों के चुनावी नतीजों पर मुफ्त रेवड़ियो ने कैसे डाला असर,

कर्नाटक चुनाव परिणाम के तुरंत बाद कांग्रेस ने मध्य प्रदेश और हरियाणा के लिए 500 रुपए में एलपीजी गैस सिलेंडर और फ्री बिजली देने का ऐलान किया. हरियाणा में तो कांग्रेस ने सरकार बनने पर मुफ्त में जमीन देने का भी वादा कर दिया है. कांग्रेस दोनों राज्यों की सत्ता में वापसी के लिए जोर-अजमाइश में जुटी है. कर्नाटक के बाद मध्य प्रदेश और हरियाणा में कांग्रेस की ताबड़तोड़ घोषणाओं से मुफ्त वादों पर बहस छिड़ गई है. हालांकि, यह पहली बार नहीं है. मुफ्त वादों के मुद्दा पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई भी हो चुकी है.लेकिन मामले की जटिलता को देखते हुए तत्कालीन चीफ जस्टिस ने इसे 3 जजों की बेंच के पास भेज दिया था. सुप्रीम कोर्ट में रेवड़ी कल्चर पर आखिरी सुनवाई 1 नवंबर 2022 को हुई थी. उस वक्त तत्कालीन चीफ जस्टिस यूयू ललित ने जल्द ही मामले की सुनवाई के लिए बेंच बनाने की बात कही थी. सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल होने से अब तक 8 राज्यों में चुनाव हो चुके हैं. इन राज्यों में मुफ्त चुनावी घोषणाएं जीत का बड़ा फैक्टर साबित हुआ है.सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान चुनाव आयोग ने हलफनामा दाखिल किया था. आयोग के मुताबिक फ्रीबीज की कोई स्पष्ट कानूनी परिभाषा नहीं है. आयोग ने कहा था कि परिस्थिति के हिसाब से फ्रीबीज की परिभाषा बदल जाती है.आयोग ने उदाहरण देते हुए कहा था- प्राकृतिक आपदा या महामारी के दौरान जब जीवन रक्षक दवा, खाना या पैसा दिया जाता है, तो इसे लोगों के रक्षा का जरिया माना जाता है, लेकिन आम दिनों में अगर ये दिए जाएं तो इन्हें फ्रीबीज कहा जाता है.भारत में फ्रीबीज यानी मुफ्त चुनावी वादे का टर्म अमेरिका से आया है. अमेरिकी राजनीति में फ्रीबीज शब्द सबसे पहले 1920 के दशक में इस्तेमाल हुआ था. फ्रीबीज शब्द का मतलब होता है, कोई ऐसी चीज जो आपको मुफ्त में दी जाती है. जनवरी 2022 में सुप्रीम कोर्ट में इस मामले की सुनवाई हुई. कोर्ट ने कहा कि इसे हम गंभीरता से ले रहे हैं. कोर्ट ने चुनाव आयोग से एक विस्तृत हलफनामा दाखिल करने के लिए कहा. मुफ्त चुनावी वादे पर टिप्पणी करते हुए कोर्ट ने कहा कि चुनाव जीतने के लिए राजनीतिक पार्टियां ज्यादा वादे कर देती है.अगस्त 2022 में सुप्रीम कोर्ट ने फ्रीबीज पर डिटेल सुनवाई शुरू की. कोर्ट ने सुनवाई के दौरान चुनाव आयोग के ढील-ढाले रवैए पर नाराजगी जताई. कोर्ट ने हलफनामा दाखिल करने को लेकर फटकार लगाते हुए कहा कि आप गंभीर होते तो यह नौबत नहीं आती. सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि शायद ही कोई पार्टी मुफ्त की योजनाओं के चुनावी हथकंडे छो?ना चाहती है. हम चाहते हैं कि इस पर एक्सपर्ट पैनल बनाया जाए. चुनाव आयोग सभी संबंधित संस्थाओं से सुझाव लेकर इसके फॉर्मेट के बारे में बताएं. हम फ्रीबीज की परिभाषा तय करेंगे.फ्रीबीज पर सुनवाई के दौरान तत्कालीन चीफ जस्टिस ने कहा कि चुनाव जीतने के लिए राजनीतिक पार्टियां अवैध को तुरंत वैध कर देती है. चुनाव में कोई मतदाताओं को सिंगापुर ले जाने का वादा कर दे तो उसे कैसे रोका जा सकता है? आप और डीएमके ने सुनवाई का विरोध किया था. सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार से सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि आप इस पर सर्वदलीय बैठक क्यों नहीं बुलाते हैं? सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि लोक-कल्याण और रेवड़ी कल्चर में अंतर पहचानने की जरुरत है. इसलिए हम इस मामले को बड़ी बेंच में ट्रांसफर कर रहे हैं.फ्रीबीज कैसे डाल रहा चुनाव में असर?मुफ्त वादे चुनाव को प्रभावित करते हैं और राजनीतिक दलों को सत्ता तक पहुंचाने में मददगार भी साबित होते हैं. पिछले कुछ सालों से 5 मुफ्त घोषणाएं चुनाव में गेमचेंजर साबित हुई. इनमें महिलाओं को मासिक भत्ता और मुफ्त बस यात्रा, फ्री बिजली स्कीम्स, मुफ्त अनाज योजना, किसान सम्मान निधि और मुफ्त एलपीजी गैस सिलेंडर प्रमुख हैं.कर्नाटक में 5 गारंटी ने बिगाड़ा बीजेपी का गेम- हाल ही में कांग्रेस के 5 गारंटी ने कर्नाटक में बीजेपी का गेम बिगाड़ दिया है. कर्नाटक की 228 में से कांग्रेस को 135 सीटों पर जीत मिली, जबकि बीजेपी 116 से 65 पर सिमट गई. लोकनीति-सीएसडीएस सर्वे के मुताबिक बेरोजगारी और गरीबी के साथ ही रिश्वतखोरी का मुद्दा चुनाव में हावी रहा. कांग्रेस ने इसको देखते हुए 5 गारंटी स्कीम की घोषणा कर दी. कांग्रेस ने इस 5 गारंटी को राहुल गांधी का वचन बताकर प्रचार किया. कांग्रेस की 5 गारंटी में महिलाओं को 2000 रुपए मासिक भत्ता, युवाओं को बेरोजगारी भत्ता, घरों में 200 यूनिट तक फ्री बिजली जैसे अहम घोषणाएं शामिल हैं. कांग्रेस की तरह बीजेपी ने भी कई मुफ्त वादे का ऐलान किया था. बीजेपी ने अपने घोषणापत्र में हर परिवार को 3 एलपीजी सिलेंडर, आधा लीटर दूध फ्री में देने जैसी मुफ्त घोषणाएं की. हालांकि, यह ज्यादा प्रभावी नहीं हो पाया.फ्रीबीज ने हिमाचल में भी हिला दी बीजेपी की सत्ता- हिमाचल में भी फ्री स्कीम्स ने बीजेपी को तगड़ा नुकसान पहुंचाया. पार्टी अध्यक्ष के गृह-राज्य में ही बीजेपी बुरी तरह हार गई. हिमाचल में ओल्ड पेंशन स्कीम और 5 लाख सरकारी नौकरी बड़ा मुद्दा बना. सत्ता में आई कांग्रेस ने चुनाव से पहले महिलाओं को 1500 रुपए पेंशन देने की घोषणा की थी, जो कारगर साबित हुआ. हिमाचल में कांग्रेस ने 300 यूनिट बिजली मुफ्त देने की भी घोषणा की, जो गेमचेंजर का काम किया.कांग्रेस की तरह बीजेपी ने भी फ्री स्कीम्स की कई घोषणाएं की. इनमें साल में 3 एलपीजी सिलेंडर मुफ्त, लड़कियों को स्कूटी और साइकिल देने की घोषणा प्रमुख थी. कर्नाटक-हिमाचल ही नहीं, मुफ्त वादे ने कई चुनावों में जीत-हार तय करने में बड़ी भूमिका निभाई है. 2022 के यूपी चुनाव में बीजेपी ने कॉलेज जाने वाली लड़कियों को मुफ्त में स्कूटी और महिलाओं को साल में 2 गैस सिलेंडर देने का वादा किया था. चुनाव में जीत-हार तय करने में यह अहम कारक बना. 2020 में बिहार विधानसभा चुनाव में मुफ्त कोरोना वैक्सीन बड़ा मुद्दा बन गया था. बीजेपी ने सरकार में आने पर सबको मुफ्त में वैक्सीन लगवाने की घोषणा की थी. यह मामला कोर्ट में भी गया, लेकिन कोर्ट ने घोषणा पर रोक से इनकार कर दिया. बीजेपी को इस सबका बड़ा फायदा मिला और बिहार में दूसरी बड़ी पार्टी बन गई. उस वक्त जेडीयू के साथ सरकार बनाने में भी कामयाब हुई थी.इसी तरह 2021 के बंगाल चुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने जमकर मुफ्त योजनाओं की घोषणा की थी. ममता ने एससी- एसटी वर्ग को सालाना 12 हजार रुपए और निम्?न वर्ग के लोगों को 6 हजार रुपए देने की घोषणा की थी. इसके अलावा तृणमूल ने घर पर ही राशन पहुंचाने का ऐलान किया था.

हे ! युवराज., ट्विटर पर छिड़ी सीएम शिवराज चौहान के बेटे और कांग्रेस की दिलचस्प लड़ाई, ज्योतिरादित्य सिंधिया का भी आया जिक्र

इस साल के आखिर में होने वाले मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस और बीजेपी ने अभी से तैयारी तेज कर दी है. इसकी बानगी सोशल मीडिया पर भी दिख रही है. पिछले दो दिन से मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के बेटे कार्तिकेय सिंह चौहान और कांग्रेस के बीच ट्विटर जंग चल रही है. इसमें कमलनाथ और ज्योतारादित्य सिंधिया से लेकर महंगाई का जिक्र कर एक दूसरे को घेरने की कोशिश की गई. दरअसल हुआ ये कि सीएम शिवराज सिंह चौहान ने 5 मई को ट्वीट करते हुए लिखा कि जीवन संगिनि को विवाह वर्षगांठ की शुभकामनाएं. इसमें शिवराज सिंह चौहान और उनकी पत्नी चूल्हे के पास दिख रहे हैं. इस पर मध्य प्रदेश कांग्रेस ने तंज कसते हुए अपने चुनावी वादे की याद दिलाई. कांग्रेस ने कहा कि आदरणीय मामी जी. अब आबकी जल्द ही चूल्हा फूंकने की तकनीक खत्म होने वाली है क्योंकि कमलनाथ मुख्यमंत्री बनते ही आपको 500 रुपये में गैंस सिलेंडर मिलेगा.कार्तिकेय सिंह चौहान और कांग्रेस का एक दूसरे पर हमलृ-इस पर प कार्तिकेय सिंह चौहान गैंस सिलेंडर

वाले ट्वीट पर जवाब देते हुए कहा कि मेरी मां 32 साल से पिताजी के पीछे उनकी ताकत बनकर खड़ी रही. सुख और दुख में उनका संबल बनीं, लेकिन कांग्रेस रिश्तों की पवित्रता और प्रेम को नहीं समझती. वो हर बात में राजनीति देखती है. कार्तिकेय सिंह ने आगे कहा कि कांग्रेस के नेताओं को चरित्र शब्द की समझ कम है. इस पर कांग्रेस ने कहा कि हे युवराज (कार्तिकेय सिंह चौहान) माता-पिता के प्रति आदम हम सबके मन में हैं, लेकिन आपको उन बेहन-बेटियों का दर्द क्यों नहीं दिखता जिनके घर में आपके पिता की दी हुई महंगाई ने कोहराम मचा रखा है. जब आप अमेरिका में पढ़ाई कर रहे थे तब आपके पिता(शिवराज सिंह चौहान) की सरकार मंदसौर में किसानों के बच्चों को गोलियों से भून रही थी.हे ! युवराज,महाराज की बैशाखी पर बैठकर सत्ता का चीरहरण करने का गुनाह तो आपके पिता जी के माथे पर पुता है। अब तो महाराज, युवराज, नाराज़ और शिवराज सब आपके हिस्से की देनदारियाँ हैं।वैसे आपने बताया नहीं कि मध्यप्रदेश को आपके पिता जी के जंगलराज से मुक्त कराने के लिये आप प्रभु हनुमानयुवराज वाले बयान पर कार्तिकेय सिंह चौहान ने पूर्व सीएम और कांग्रेस नेता नुकुलनाथ का जिक्र करते हुए कहा कि जब अमेरिका में थे तो देश में सिख नरसंहार हो रहा था? मेरे समय बर्बाग करने के बजाए चुनाव लड़ने की कोशिश कीजिए. फिर कांग्रेस ने इस पर पलटवार करते हुए कहा कि महाराज (ज्योतारादित्य सिंधिया) की बैशाखी पर बैठकर सत्ता का चीरहरण करने का गुनाह तो आपके पिता के (शिवराज सिंह चौहान) के माथे पर पुता है. अब तो महाराज, युवराज, नाराज़ और शिवराज सब आपके हिस्से की देनदारियां है.

राहुल गांधी ने नए पासपोर्ट के लिए खटखटाया कोर्ट का दरवाजा, एनओसी देने की लगाई गुहार

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अमेरिका की अपनी यात्रा से पहले एक नया पासपोर्ट जारी करने को लेकर मंगलवार (23 मई) को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट का दरवाजा खटखटाया. उन्होंने साधारण पासपोर्ट के लिए एनओसी जारी करने की गुहार लगाई है. राहुल गांधी ने मानहानि के एक मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद मार्च में लोकसभा के सदस्य के रूप में अयोग्य घोषित किए जाने के बाद अपना राजनयिक पासपोर्ट सरेंडर कर दिया था.2019 में केरल के वायनाड से लोकसभा के लिए चुने गए राहुल गांधी ने नए साधारण पासपोर्ट के लिए आवेदन किया है. पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष जून में अमेरिका की 10 दिवसीय यात्रा पर जाने वाले हैं और मैडिसन स्क्वायर गार्डन में भारतीय डायस्पोरा को संबोधित करेंगे. साथ ही स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में भाषण भी देंगे. दौरे पर जाने वाले हैं राहुलइंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने कहा कि राहुल गांधी का सैन फ्रांसिस्को, वाशिंगटन डीसी और न्यूयॉर्क का दौरा करने का कार्यक्रम है. अपनी यात्रा के दौरान, पूर्व सांसद के भारतीय अमेरिकियों के साथ दो जनसभाओं को संबोधित करने, कैपिटल हिल में सांसदों और थिंक टैंक के सदस्यों से मिलने, विश्वविद्यालय के छात्रों के साथ बातचीत करने और वॉल स्ट्रीट के अधिकारियों से मिलने की संभावना है. राहुल गांधी कुछ हफ्ते पहले ही यूके के दौरे पर भी गए थे. वहां उन्होंने कहा था कि भारतीय लोकतंत्र पर हमला किया जा रहा है और देश के संस्थानों पर बीजेप-आरएसएस की ओर से प्रहार किया जा रहा है. उनकी इस टिप्पणी के बाद भारत में तूफान खड़ा हो गया था. बीजेपी के सांसदों ने राहुल गांधी से माफी की मांग करते हुए सड़क से लेकर संसद तक विरोध प्रदर्शन किया था. बीजेपी ने राहुल गांधी पर विदेशी धरती पर भारत को बदनाम करने और विदेशी हस्तक्षेप की मांग करने का आरोप लगाया था.

जंतर-मंतर से इंडिया गेट तक पहलवानों का कैंडल मार्च, बजरंग पुनिया बोले- जब तक न्याय नहीं मिलेगा, तब तक...

भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी की मांग को लेकर पहलवानों ने मंगलवार (23 मई) को कैंडल मार्च निकाला. ये कैंडल मार्च जंतर-मंतर इंडिया गेटक निकाला गया. इस मार्च में खाप प्रतिनिधि भी शामिल हुए. इंडिया गेट पर पहलवानों को समर्थन देने के लिए पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक भी पहुंचे. किसान नेता राकेश टिकैत भी कैंडल मार्च में मौजूद रहे. इस दौरान पहलवान बजरंग पुनिया ने कहा कि हमारी बहनों का सम्मान हमारे लिए जान से भी बढ़कर है. जब तक देश के बेटियों को न्याय नहीं मिल जाता ह

नए संसद भवन के उद्घाटन पर कांग्रेस ने उठाए सवाल तो केंद्रीय मंत्री ने इंदिरा गांधी और राजीव गांधी की दिलाई याद, क्या बोले?

नए संसद भवन के उद्घाटन को लेकर कांग्रेस और बीजेपी में बयानबाजी तेज होती जा रही है. इसी बीच केंद्रीय मंत्री और बीजेपी नेता हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार (23 मई) को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि इन्हें हर मुद्दे पर राजनीति करनी है. हरदीप सिंह पुरी ने कहा, कुछ लोगों को राजनीतिक रोटियां सेकने की आदत पड़ गई है. हमारे इतिहास में कुछ ऐसे मौके आते हैं जब हम सबको इकट्ठा होकर किसी चीज को मनाना चाहिए. इसी प्रकार संसद भी एक उत्सव मनाने का मौका हैउन्होंने आगे कहा कि अगस्त 1975 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने संसद एनेक्सी का उद्घाटन किया और 1987 में तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने संसद पुस्तकालय का उद्घाटन किया. आपकी (कांग्रेस) सरकार के मुखिया संसद का उद्घाटन कर सकते हैं तो हमारी सरकार के प्रमुख (पीएम मोदी) ऐसा क्यों नहीं कर सकते? दरअसल हाल ही में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा था कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को नए संसद भवन का उद्घाटन करना चाहिए, न कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को. बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 मई को संसद के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन करेंगे.

नए संसद के उद्घाटन समारोह में शामिल नहीं होगी टीएमसी पार्टी ने साफ कर दिया रुख

टीएमसी सांसद ने आगे लिखा कि पीएम मोदी को ये समझ नहीं आ रहा है. उनके लिए, रविवार को नए भवन का उद्घाटन मैं और उनके खुद के बारे में ही है. इसलिए हमें तो इससे बाहर ही समझें. वहीं टीएमसी नेता सुदीप बंदोपाध्याय ने कहा कि टीएमसी नए संसद भवन के उद्घाटन का बहिष्कार करेगी. टीएमसी सांसद सौगत राय ने कहा कि हम प्रधानमंत्री की ओर से नए संसद भवन का उद्घाटन करने के विरोध में हैं. हम समारोह का बहिष्कार करने की सोच रहे हैं और पार्टी इस मामले में अंतिम फैसला लेगी.संसद के नए भवन का उद्घाटन करने को लेकर घमासान मचा हुआ है. कई विपक्षी दलों ने भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से कराए जाने की मांग की है. कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सरकार में राष्ट्रपति का पद महज प्रतीकात्मक बनकर रह गया है. बीजेपी ने भी विपक्ष के आरोपों पर पलटवार करते हुए

कर्नाटक चुनाव में ॉ प्रदर्शन पर मायावती हुईं नाराज, बैठक में पदाधिकारियों को दी सख्त हिदायत

बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने हाल में संपन्न हुए कर्नाटक विधानसभा चुनाव में पार्टी के निराशाजनक प्रदर्शन पर सख्त नाराजगी जाहिर की. मायावती ने मंगलवार (23 मई) को बसपा के वरिष्ठ एवं जिम्मेदार पदाधिकारियों के साथ बैठक में कर्नाटक विधानसभा चुनाव में पार्टी के प्रदर्शन की समीक्षा की. उन्होंने पदाधिकारियों को कैडर के आधार पर बीएसपी का जनाधार बढ़ाने की हिदायत दी है.समीक्षा बैठक के दौरान बीएसपी प्रमुख ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव में पार्टी की करारी हार पर सख्त नाराजगी जताई. उन्होंने कहा कि हर राज्य में पार्टी की तैयारी इस तरह से होनी चाहिए

नुकसान उसी का है कश्मीर में जी-20 की बैठक में चीन के नहीं शामिल होने पर क्या बोले केंद्रीय मंत्री?

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने मंगलवार (23 मई) को कहा कि श्रीनगर में जी-20 बैठक में चीन के शामिल नहीं होने से कोई फर्क नहीं पड़ता और यह उसका नुकसान है, भारत का नहीं. चीन को छोड़कर बाकी सभी जी-20 देशों के प्रतिनिधि तीसरे जी-20 पर्यटन कार्य समूह की बैठक में भाग लेने के लिए सोमवार को श्रीनगर पहुंचे.समाचार एजेंसी पीटीआई से बात करते हुए जितेंद्र सिंह ने कहा कि चीन के बैठक में शामिल नहीं होने से कोई फर्क नहीं पड़ता. चीन का नहीं आना चीन का नुकसान है, भारत का नहीं. जब जितेंद्र सिंह से यह पूछा गया कि क्या चीन की अनुपस्थिति पूर्वी लद्दाख सीमा गतिरोध से जुड़ी है तो उन्होंने कहा कि विदेश मंत्रालय इस पर विचार करेगा.कश्मीर

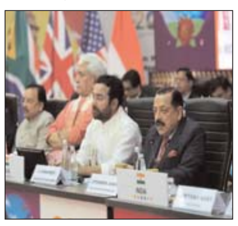

में जी-20 कार्यक्रम आयोजित करने पर सिंह ने कहा कि अलग-अलग जगह पर आयोजन से प्रतिनिधियों को उन जगहों के बारे में जानकारी मिलती है, जहां वे जाते हैं. उन्होंने कहा कि हम यूरोप के कुछ छोटे देशों की तरह नहीं हैं. हम विविध देश हैं. कश्मीर को लेकर पाकिस्तान के दुष्प्रचार के बारे में पूछे जाने पर मंत्री ने कहा कि आम लोग इन चीजों से आगे बढ़ चुके हैं.जितेंद्र सिंह ने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आम आदमी आगे बढ़ गया है. ऐसे में अगर आप श्रीनगर में सड़कों पर किसी व्यक्ति से बात करें तो हो सकता है कि वह खुलकर बात नहीं करे, लेकिन आतंक के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई से डर का माहौल खत्म हो गया है. उन्होंने सोमवार को कहा था कि कश्मीर में बदलाव आया है और श्रीनगर के आम लोग अब आगे बढ़ना चाहते हैं.

कोर्ट ने सुनाई सजा, कुछ घंटो बाद तिहाड़ जेल में फंदे से लटका मिला शख्स

दिल्ली की तिहाड़ जेल से एक हैरतअंगेज मामला सामने आया है. यहां एक शख्स ने अदालत से दोषी ठहराए जाने के कुछ देर बाद आत्महत्या कर ली. तिहाड़ जेल अधिकारियों ने मंगलवार (23 मई) को बताया कि कैदी ने सोमवार (22 मई) को सुसाइड किया था. इसकी उम्र महज 26 साल थी. उन्होंने कहा कि कैदी को लूट के मामले में अदालत ने दोषी ठहराया था. जिसके कुछ घंटे बाद ही जेल के बाथरूम में लटका हुआ पाया गया.जेल अधिकारियों ने बताया कि कैदी की पहचान जावेद के रूप में हुई है. तिहाड़ जेल के डायरेक्टर जनरल संजय बनिवाल ने कहा कि सुरक्षा अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार जावेद ने कैदियों के कॉमन बाथरूम में शाम

5 बजे कपड़े की मदद से फांसी लगा ली. घटना की जानकारी के बाद उसे अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने जावेद को मृत घोषित कर दिया.वहीं, तिहाड़ जेल के एक अन्य अधिकारी ने कहा कि जावेद के साथ रहने वाले कैदियों का कहना है कि सजा का आदेश मिलने के बाद से वो गहरे सदमे में था. अदालत से आने के बाद वह रो रहा था. जिसके बाद वह शाम को बाथरूम गया. जहां उसने पतले कपड़ों को एक साथ मरोड़ कर मोटी रस्सी बनाई और फांसी लगा ली. उन्होंने कहा कि जेल के बाथरूम में सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे हुए है, जिसकी वजह से किसी को इसकी भनक तक नहीं लगी.संजय बनिवाल ने बताया कि दिल्ली के मालवीय नगर थाने में दर्ज लूट के 2016 के एक मामले में एडिशनल सेशन जज-2 (फास्ट ट्रैक कोर्ट) ने जावेद को दोषी करार दिया था. उन्होंने कहा कि मामले से संबंधित अदालत को घटना के बारे में बता दिया गया है. साथ ही मामले की न्यायिक जांच शुरू कर दी गई है. बनिवाल ने बताया कि जावेद के खिलाफ इंडियन पैनल कोर्ट (आईपीसी) की धारा 392 (लूटपाट), 397 (मौत या गंभीर चोट पहुंचाने के प्रयास के साथ डकैती), 411 (बेईमानी से चोरी की संपत्ति प्राप्त करना) और 34 के तहत मामला दर्ज किया गया था. नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के अनुसार 2019 में दिल्ली की विभिन्न जेलों (तिहाड़, मंडोली और रोहिणी) से आत्महत्या के आठ मामले दर्ज किए गए. 2020 में ऐसे दस मामले दर्ज किए गए, जबकि 2021 में आठ मामले दर्ज किए गए.

मेहगांव पुलिस ने देशी कट्टा व दो जिंदा राउंड सहित आरोपी को किया गिरफ्तार

दैनिक पुष्पांजली टुडे
भिण्ड । पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार खरपूसे,एसडीओपी मेहगांव आरकेएस राठौर के निर्देशन में अपराधिक तत्वों के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत मेहगांव पुलिस द्वारा मुखबिर सूचना के आधार पर भिंड गोहद रोड से एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया जिसके कब्जे से एक अवैध 315 बोर का कट्टा तथा एक जिंदा राउंड बरामद किया । विकाश पुत्र रामेश्वर जाटव निवासी धार का पुरा गोहद चौराहा जिला भिंड को गिरफ्तार किया गया।थाना प्रभारी मेहगांव निरीक्षक रविंद्र शर्मा उप निरीक्षक परशुराम अहिरवार,सहायक उपनिरीक्षक,अशोक तिवारी,प्रधान आरक्षक जितेंद्र सिंह,प्रदीप पचौरी ,आरक्षक दिनेश मुद्गल,हेमंत, सत्यवीर ।

अवैध शराब विक्रेताओं के विरुद्ध मेहगांव पुलिस की कार्यवाही

5 अलग अलग जगहों से पकड़ी अवैध शराब

दैनिक पुष्पांजली टुडे
भिण्ड । पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश खरपूसे तथा एसडीओपी मेहगांव आरकेएस राठौर के निर्देशन में थाना मेहगांव पुलिस द्वारा पांच भिन्न-भिन्न स्थानों पर दबिश देकर लगभग 5 पेटी अवैध शराब पकड़ी गई ।

इनपर हुई कार्यवाही–
कर्ण पुत्र श्यामलाल आदिवासी निवासी वार्ड नंबर 7 आदिवासी मोहल्ला मेहगांव,जितेंद्र पुत्र रणधीर सिंह यादव निवासी बघोरा थाना मेहगांव,अजीत सिंह भदोरिया पिता इंदल सिंह निवासी रायपुरा बरोही,नवाब सिंह पुत्र कर्ण सिंह जाटव निवासी हुकुम सिंह का पूरा थाना मेहगांव,दिनेश सिंह पुत्र छोटी सिंह भदोरिया निवासी ग्राम धनौली में आरोपियों के घर से अवैध शराब पकड़ी गई।सभी आरोपियों के विरुद्ध धारा 34 आबकारी एक्ट के तहत प्रथक प्रथक अपराध पंजीबद्ध किए गए।थाना प्रभारी मेहगांव निरीक्षक रविंद्र शर्मा,सहायक उपनिरीक्षक अजय कुमार गौतम,सहायक उपनिरीक्षक अशोक तिवारी,सहायक उपनिरीक्षक रामप्रसाद,प्रधान आरक्षक विश्वनाथ सिंह ,प्रधान आरक्षक संजय पांडे आरक्षक प्रदीप तोमर, आरक्षक शिवदयाल की भूमिका रही।

29 कुण्डीय श्री राधाकृष्ण महायज्ञ के छंटवे दिन पहुँचे पूर्व विधायक सहित भाजपा नेता

जो भक्तों के पापों का हरण कर ले वही हरि-श्रीजी प्रियंका शास्त्री

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक
पुष्पांजली टुडे
दबोह- नगर दबोह के समीप ग्राम धौरका में 29 कुण्डीय श्री राधाकृष्ण महायज्ञ सर्वजातिय सामूहिक कन्या विवाह महायज्ञ एवं श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ एवं संत प्रवचन प्रारम्भ, यज्ञ में कथा के छंटवे दिवस श्रीजी प्रियंका शास्त्रीजी ने श्रीमद् भागवत महापुराण की अमृत वर्षा से भक्तो कृतारित किया श्रीजी प्रियंका शास्त्रीजी ने भक्ति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जड़िसका कोई नहीं है उसके भोलेनाथ हैं शायद यही वजह है कड़ि भूत और प्रेतों को भी भोलेनाथ अपनी शरण में रखते हैं लेकड़िन कड़्या आपको पता है कड़ि वह अपने गले में नाग, जटा में गंगा, सिर पर चंद्रमा और हाथ में त्रिशूल-डमरू कड़्यों धारण करते हैं तो आइए पौराणिक कथाओं में वर्णित हैं कथाओं के अनुसार महाराज भागीरथ ने अपने पूर्वजों को जीवन-मरण के दोष से मुक्ड़त करने के लिए गंगा का पृथ्ड़वी पर लाने के लिए कठोर तप किया इससे मां गंगा प्रसन्ड़न हुईं और वह पृथ्ड़वी पर आने को तैयार हो गईं। लेकिन उन्ड़होंने भागीरथ से कहा कि उनका वेग पृथ्ड़वी सहन नहीं कर पाएगी और रसातल में चली जाएगी यह सुनकर भागीरथ ने भोलेनाथ की आराधना की शिव उनकी पूजा से प्रसन्ड़न हुए और वरदान मांगने को कहा तब भागीरथ ने उनसे अपने मनोरथ कहा इसके बाद जैसे ही गंगा पृथ्ड़वी पर अवतरित हुई तो भोलेनाथ ने उनका अभिमान चूर करने के लिए उन्ड़हें अपनी जटाओं में कैद कर लिया कथा व्यास श्रीजी प्रिंयका शास्त्री ने बताया कि सतयुग के दौरान अवधपुरी में राजा उत्तानपद राज किया करते थे उनकी बड़ी रानी का नाम सुनीति था और उनके कोई संतान नहीं थी देवर्षि नारद रानी को बताते हैं कि यदि तुम दूसरी शादी करवाओगी तो संतान प्राप्त होगी रानी अपनी छोटी बहन सुरुचि की शादी राजा से करवा देती है कुछ समय बाद सुरुचि को एक संतान की उत्पत्ति होती हैड्डजिसका नाम उत्तम रखा उसके कुछ दिनों के बाद बड़ी रानी भी एक बालक ध्रुव को जन्म देती है 5 वर्ष बाद जब राजा उत्तम का जन्म दिन मना रहे थे तो बालक ध्रुव भी बच्चों के साथ खेलता हुआ उनकी गोद में बैठ गया, जिस पर सुरुचि उठा देती है और उसे कहती है कि यदि अपने पिता की गोद में बैठना है तो अगले जन्म तक इंतजार कर बालक ध्रुव यह बात चुभ जाती है और वह वन में जाकर कठिन तपस्या करने लगते हैं उसकी तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान विष्णु उन्हें दर्शन देते हैं और उन्हें मनचाहा वरदान देने का वचन देते है इस प्रसंग से यह शिक्षा मिलती है कि किसी से भेदभाव नहीं करना चाहिए और प्रभु की भक्ति में कोई विघ्न नहीं डालना चाहिए कथा के बीच-बीच में और भजन भी सुनाए गए भजनों पर श्रद्धालु झूम उठें इस दौरान यज्ञ प्रबंधक चंद्रशेखर कुशवाहा भगत जी समस्त क्षेत्रवासिओ से अपील की 29 कुण्डीय श्री राधाकृष्ण महायज्ञ सर्वजातिय सामूहिक कन्या विवाह महायज्ञ एवं श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ एवं संत प्रवचन आप सभी सनातन धर्म प्रेमी श्रद्धालु भक्तों को यह जानकर पर हर्ष होगा कि सुश्री प्रियंका शास्त्रीजी के मुखारविन्द से ÷श्रीमद् भागवत महापुराण÷ की अमृत वर्षा संत प्रवचन एवं राम कथा का आयोजन किया जा रहा है आप सभी भक्तजनों एवं श्रद्धालुओं से आग्रह है कि इस पुण्य अवसर पर निम्न कार्यक्रमानुसार सपरिवार एवं इष्ट मित्रों सहित उपस्थित होकर ज्ञानार्जन एवं पुण्य के भागी बनें तथा कार्यक्रम को सफल बनाए आप सभी सादर आमंत्रित है इस दौरान यज्ञाचार्य शिवम् शास्त्री श्रीधाम वृंदावन,पूर्व विधायक रसाल सिंह, वरिष्ठ नेता रामकुमार महाते, राजेंद्र सिंह गुर्जर, बालजी गुर्जर, राजभईया गुर्जर, शिवम् गुर्जर,यज्ञ परीक्षत बब्बूराजा गुर्जर (गोटिया) कथा परीक्षत सुनीता अनुरूध सिंह गुर्जर (बड़ेलला) एवं समस्त क्षेत्रवासियो मौजूद रहे।

लहार थाना प्रभारी वरुण तिवारी की कार्यप्रणाली से पस्त हुए माड़िया खदानें बन्द

रेत माफियाओं पर चला थाना प्रभारी लहार का डंडा

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक
पुष्पांजली टुडे
लहार– पुलिस अधीक्षक भिंड मनीष खत्री एवम अतरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश खरपूसे के निर्देशन में जिले में चलाए जा रहे धरपकड़ अभियान के तहत लहार एसडीपीओ अवनीश बंसल के मार्गदर्शन में रात्रि गस्त के दौरान थाना प्रभारी लहार वरुण तिवारी द्वारा मुखबिर की सूचना से चार ट्रेक्टर अबैध रेत परिवहन एवम उत्खनन करते हुए मिले।जिनसे रॉयल्टी मांगी तो नही पाई गई।जिन्हें पकड़कर थाना को सुपुर्द कर माइनिंग की कार्यबाही की गई कुछ देर सिफारिशों का दौर चला पर रेतमाड़ियाओं को मुँह की खानी पड़ी और उनके ट्रेक्टरों को लहार थाने में सुरक्षार्थ रखबाकर माइनिंग की कार्यबाही की गई।थाना प्रभारी की इस कार्यबाही में थाना स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही।
सुनिये क्या बोले अधिकारी–
किसी भी हाल में रेतमाड़ियाओं को बक्सा नही जाएगा।रात्रि गस्त के दौरान चार ट्रेक्टर मिले उनसे रॉयलिटी मांगी गई।जो मौके पर उपलब्ध नही पाई गई सभी पर कार्यबाही कर माइनिंग को भेजा गया।
वरुण तिवारी
थाना प्रभारी लहार

जिला जेल नहीं ये सुधार गृह है मानव बनकर रिहा होना

खरगोन जिले से मुन्ना खान
पुष्पांजली टुडे
खरगोन - मानव उत्थान सेवा समिति आश्रम खरगोन द्वारा जिला जेल में सत्संग समारोह का आयोजन सम्पन्न हुआ जिसमें संत महात्मा धारा बाइजी एवम् महात्मा ज्ञान निधि जी ने कैदियों को शांति प्रदान करने वाली अध्यात्मिक ज्ञान की बाते सुनाई संगति से गुण आए संगति से गुण जाए, मन की सुनने वाला व्यक्ति गुलाम है जो आत्मा की पुकार सुनेगा वो मन को एकाग्र करके अपने जीवन को सार्थक करेगा,ये जेल नही सुधार गृह है यंहा से रिहा होने के बाद एक नए व्यक्तित्व का निर्माण करना आदि विचार व्यक्त किए गए।मानवाधिकार सुरक्षा संघ से कमल कुमार गांगले, शिवराम वाघेला, मांगीलाल पाटीदार, राजेंद्र चौहान, आदि साथ मे थे तथा जेल अधीक्षक जे आर मंडलोई, व्ही बी प्रसाद,शिक्षक सुरेंद्र गाडगे,रूपसिंह उइके,राहुल निर्वेल,द्वारा संत महात्माओ का फुल मालाओ से स्वागत वंदन किया गया।।

उद्योग क्षेत्र में अतिक्रमण कारियो से असामाजिक तत्वों को बढ़ावा से बढ़ रही है परेशानी

पुष्पांजली टुडे संवाददाता
मालनपुर
पहलवान सिंह राजावत
मालनपुर उद्योग क्षेत्र मालनपुर में जगह-जगह रखी गुमठी झोपड़पट्टियों में असामाजिक तत्वों के एकत्रित होकर शराब पीकर राहगीरों व मजदूरों से अभद्रता करने से उद्योग इकाइयों के प्रबंधक में भय का माहौल बना हुआ है उद्योग क्षेत्र मालनपुर में कई वर्षों से इकाइयां के प्रबंधकों ने आई आई डी सी के अधिकारियों से शिकायत करते हुए कहा था कि उद्योग क्षेत्र में सिंगबारी रोड पर नोवा चौराहे एवं सूर्या सुप्रीम उद्योग इकाइयों के सामने झोपड़पट्टी बनाकर चाय नाश्ता के नाम पर हर चौराहे पर रोड के किनारे अतिक्रमण कर एवं क्षेत्र से युवा वर्ग मोटरसाइकिल से चक्कर लगाकर इन जगहों पर शरारते हरकतें करते है राहगीरों मजदूरों महिलाओं से ऐसी शिकायतें मिल रही है परंतु उद्योग विभाग के कर्मचारी अधिकारी की लापरवाही से अतिक्रमण करने वाले के खिलाफ अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की यहां यह बता दें कि झोपड़पट्टी झुग्गी झोपड़ी बना कर व चाय नाश्ता की दुकान खोलकर इन दुकानों में अवैध धंधा जैसे चरस गांजा इत्यादि का गोरखधंधा होटलों के नाम पर चल रहा है इस उद्योग क्षेत्र में दुकान पर कई बार अतिक्रमण हटाया जा चुका है परंतु अवैध धंधे के चलते इन्हें पुनः बनाने का मौका आई आई डी सी के अधिकारियों की लापरवाही खोल लिया जाता है ज्ञात रहे कि आई आई डी सी के निवर्तमान एम डी सत्येंद्र सिंह ने नोवा चौराहे से लेकर समूचे उद्योग क्षेत्र में झोपड़पट्टीओं एवं अतिक्रमण और का इन जगहों पर उद्योग विभाग द्वारा फैक्ट्री एरिया में पक्की दुकानें बनाकर दी जाएंगी जिससे उद्योगों क्षेत्र में बाहर से आने वाले ट्रक चालकों के लिए नाश्ता और खाना चाय आदि की दुकानें संचालित करने के लिए परंतु यह आदेश का पालन वर्षों से जमे उद्योग विभाग निगम के आला अधिकारियों ने आज तक नहीं किया उद्योग क्षेत्र में इन झोपड़ियों नहीं हटाया गया तो किसी दिन अप्रिय घटना हो जाए तो बड़ी बात नहीं है लगभग 3 से 4 साल पूर्व पुलिस महानिदेशक चंबल रेंज ने भी उद्योग इकाइयों के प्रबंधकों की सुरक्षा की दृष्टि से 4 पॉइंट पुलिस चौकी बनाने के लिए दिए थे जिससे प्रथम नोवा चौराहा और क्रॉम्पटन ग्रीव्स फैक्ट्री पर बनाना था मालनपुर थाने जो 3 से 4 किलोमीटर दूरी पर होने से असामाजिक तत्वों का जमावड़ा रहता है एवं एस आर एफ तिलौरी रोड़ जगह सुझाव दिया था इस उद्योग क्षेत्र में कोई कड़ी कार्रवाई इन झोपड़पट्टी ओ होटलों पर क्यों नहीं की जाती इससे साफ जाहिर होता है कि उद्योग क्षेत्र में सुंदरता सुरक्षा उद्योग विभाग के आला अधिकारियों की तानाशाही एवं लापरवाही है स्थानीय उद्योग इकाइयों के प्रबंधकों को नाम ना छापने पर मुख्य मंत्री मध्यप्रदेश एवं जिला कलेक्टर से मांग की है कि नेशनल हाईवे पर अतिक्रमणकारियों एवं उद्योग क्षेत्र में कि अतिक्रमण हटाया जावे इनका कहना है आई आई डी सी प्रभारी मैनेजर संजय शर्मा का कहना है कि हमारे पास लिखित में आवेदन आएगा हम कार्रवाई करेंगेमालनपुर थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह मावई ने कहा है कि पुलिस निरंतर प्रयास कर रही है एवं रात में गश्त भी किया जा रहा है अगर असामाजिक तत्व के लोग मिलते हैं तो वैधानिक कार्यवाही की जाएगी

करजाड़े नवी मुंबई में महाराणा प्रताप जन्मोत्सव मनाया

पुष्पाजंली टुडे
मुम्बई । सीरवी समाज सेवा संस्था करजाड़े पनवेल महाराणा प्रताप सेना करजाड़े द्वारा आज 22 मई को महाराणा प्रताप जयंती बड़े हर्षोल्लास पूर्वक मनाया आज आई माता मंदिर में वीर यौद्धा हिन्दुआ सुरज महाराणा प्रताप की जयंती बड़े धूमधाम से मनाई ये तिसरा साल महाराणा प्रताप जयंती उत्सव का 36 कोम राजस्थानी प्रवासी शिवा प्रताप एकता मंच स्वराज्य संगठना राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ करजाड़े नोड व्यापारी एसोसिएशन करजाड़े नोड फ्लैट ओनर एसोसिएशन सभी ने सहभागी बनें यह शुभ अवसर कार्यक्रम की शुरुआत महाराणा जी की प्रतिमा को हार फुल चढ़ाकर पूजा कर उन्हें याद किया जय हो के नारे बाजी व भगवा ध्वज लहरा कर खुशी व्यक्त की ओर हम सब को शिवाजी महाराज व महाराणा प्रताप के आदर्शों पर चलने का लिया संकल्प जिससे हिन्दू समाज संगठित होकर आगे बढ़ें आज यह महाराणा प्रताप जन्मोत्सव कार्यक्रम शुरुआत भारतीय जनता पार्टी विभागय अध्यक्ष कर्णा सेठ शेलार,स्वराज्य संगठना महाराष्ट्र उपाध्यक्ष विनोद साबले,सरपंच मंगेश दादा शेलार, स्वराज्य संघटना करंजाडे अध्यक्ष प्रथमेश पुंडे ने किया । महाराणा प्रताप,छत्रपती संभाजी महाराज,छत्रपती शाहू महाराज,पुण्यशलोक अहिल्यादेवी होलकर, को हार चढ़ाकर व दिपक प्रज्वलित कर व कार्यक्रम में उप सरपंच सागर भाई आग्रे भारतीय जनता पार्टी तालुका उपाध्यक्ष बलीराम म्हात्रे ग्राम पंचायत सदस्य अतिश साबले नाथा भाई भरवाड,विक्रम मोरे,अक्षरा भोईर,सुषमा मयेकर मंदिर भारी संख्या मातृशक्ति शामिल होकर सामुहिक एकता परिचय दिया सिरवी समाज सेवा संस्था अध्यक्ष चेनाराम बासा भानाराम रमेश तेजाराम विनोद पुनाराम पर्वत सिंह जेताराम देवासी सीरवी समाज के साथ राजपूत पुरोहीत जाट चौधरी घासी देवासी जैन माली समस्त 36 कोम राजस्थानी प्रवासी समाज व महाराष्ट्र में स्थानीय लोगों ने भी महाराणा प्रताप के दर्शन किए । साथ सभी हिन्दू भाइयों ने हिस्सा लिया हिन्दू धर्म रक्षक महाराणा प्रताप की वजह से आज हम है एक तरह से हमारे भगवान है उन्होंने घास की रोटी खाकर देश को बचाया था । आज थोड़े लालस लोग बिक रहे हैं हम नहीं बिकेंगे और लोगों में उनके द्वारा दिए गए संदेश को जन जन तक पहुंचाने की कोशिश करेंगे । हम सिडको व ग्रामपंचायत से मांग करेंगे कि राणा प्रताप नाम का गार्डन व रोड़ बनाया जाए और भविष्य में महाराणा प्रताप भव्य मूर्ति हर गांव हर शहर में होनी चाहिए द्य यही प्रार्थना यही उम्मीद दो पलक विनोद सिरवी व वैद्ही विक्रम मोरे ये छोटी छोटी बेटीयां ने महाराणा प्रताप की गाथा सुनाई द्य यह जानकारी समाज सेवक विनोद ने दी

शहीदी पर्व पर सजा कीर्तन दरबार हुआ लंगर एवं छबिलो का आयोजन

खरगोन से मुन्ना खान पुष्पांजलि टुडे
खरगोन।सिख धर्म के पांचवे गुरु शहीदों के सरताज श्री गुरु अर्जुन देवजी का शहीदी पर्व समाज के द्वारा पूर्ण श्रद्धाभाव के साथ मनाया गया श्री गुरूसिंघ सभा के प्रधान प्रतिनिधि अमरजीत सिंह भाटिया, लंगर कमेटी के प्रधान सरदार जसवीर सिंह भाटिया ने बताया कि इस अवसर पर कीर्तन दरबार सजाए गए जिसमें पंजाब के मोगा से आए भाई राजदीप सिंह जी, सभा के हजूरी जत्थे ज्ञानी पवन सिंह जी एवं स्त्री सत्संग जत्थे द्वारा गायन किए गए गुरबाणी शब्द सूरज किरण मिले जल का जल हुआ राम, गुरु अर्जन विट्टो कुर्बानी, तेरा किया मीठा लागे, हर जियो हर जियो निमनेयां तु मान, जो तुध भावे सोई चंगा इक नानक की अरदासे से हाल में उपस्थित संगत भाव विभोर हो उठी। कीर्तन दरबार की समाप्ति के पश्चात गुरु के अटूट का लंगर आयोजन हुआ जिसकी सेवा सरदार नरेंद्र सिंह चावला परिवार द्वारा की गई। सभा के प्रधान हरचरण सिंह भाटिया ने गुरु साहब के चरणो में श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए बताया कि शहीदी पर्व के उपलक्ष में स्त्री सत्संग जत्थे द्वारा पिछले 8 दिनों से प्रातः काल श्री सुखमणि साहिब के पाठ आयोजित किए जा रहे थे जिसका भी आज समापन हुआ।सभा के सेक्रेटरी कमलजीत सिंह गांधी ने बताया कि सन 1606 ईसवी में मुगल बादशाह जहांगीर द्वारा श्री गुरु अर्जुन देवजी को गर्म तवे पर बैठाकर उनके ऊपर गरम रेत डालते शहीद किया। धर्म की रक्षा हेतु गुरु अर्जुन देव जी असहनीय कष्ट सहते हुए शहीद हो गए इसी कारण वे शहीदों के सरताज कहलाए जाते हैं उनकी शहीदी दिवस पर पूरी दुनिया में आज छबीलो का आयोजन होता है

मौ मंडल में भारतीय जनता पार्टी द्वारा रखी गई बहुत ही महत्वपूर्ण बैठक

पुष्पांजलि टुडे रिपोर्टर मौ
डॉ.बेताल सिंह गौड़
मौ मंडल में भारतीय जनता पार्टी द्वारा बैठक रखी गई जिसमें देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल के 9 वर्ष पूर्ण होने पर पूरे महीने भारतीय जनता पार्टी सभी मंडल के गांव गांव जाकर भारतीय जनता पार्टी के यशस्वी प्रधानमंत्री द्वारा क्या-क्या कार्य कराए गए हैं उसके बारे में प्रत्येक ग्राम में भाजपा के कार्यकर्ता पहुंचकर अवगत कराएं सभी क्षेत्रवासियों को सभी सरकारी योजनाओं का लाभ मिले और पूरे महीने भर इसी प्रकार से

समस्त मंडल में कार्य कराए जाएं इस इस बीच बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में जिला मंत्री फरेंद्र सिंह सिकरवार जी, विशिष्ट अतिथि जिला मंत्री शैलेंद्र गुर्जर जी, एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता मौ नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि सज्जन सिंह यादव ने की सोनू खान, आकाश शाक्य, रामकुमार जादौन, पंकज, संतोष यादव, सतीश परिहार, शिवम राठौर, अरुण वाल्मिक आगम जैन, मंच का सुचारू संचालन महामंत्री राजू मिश्रा ने किया एवं आभार प्रकट युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष रामअवतार गुर्जर ने किया और भाजपा के जेस्ट श्रेष्ठ कार्यकर्ता बंधु उपस्थित रहे

जनसुनबाई में 30 आबेदक पुलिस अधीक्षक ने सुनी लोगो की फरियाद दिया कारबाई का आश्र्वासन...

केशब पंडित जी अम्बाह...
मुरैना... पुलिस अधीक्षक कार्यालय में मंगलवार को एसपी शैलेन्द्र सिंह चौहान ने जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसमें अपनी समस्याओं को लेकर पहुंचे फरियादियों के आवेदन लेकर उन्हें कार्रवाई का आश्वासन दिया गया। जनसुनवाई के दौरान 30 आवेदकों ने पुलिस अधीक्षक सिंह को अपनी समस्याओं से अवगत कराया इस दौरान मुरैना एसपी ने सभी

फरियादियों के आवेदनों को लेकर उन्हें कार्रवाई का भरोसा दिया गया।पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जो भी आवेदन प्राप्त हुआ है। संबंधित थाना प्रभारी को गूगल मीटिग से अबगत कराकर निष्पादन के लिए भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया है कि जो भी समस्या से संबंधित आवेदन थाने को भेजा गया है। सही तरीके से इसका निष्पादन करते हुए हमें सूचित करें। ताकि जो भी आवेदन दिए हैं। उनका शीघ्र ही निराकरण किया जाए।

खाद्य पदार्थ विक्रेताओ के लिये पश्चिम रेलवे मुंबई द्वारा खाद्य सुरक्षा प्रशिक्षण और प्रमाणीकरण कार्यक्रम का किया गया आयोजन

पश्चिम रेलवे मुंबई द्वारा किया गया खाद्य सुरक्षा प्रशिक्षण और प्रमाणीकरण कार्यक्रममुंबई/22 मई/ प्रधान चिकित्सा कार्यालय, चर्चगेट,पश्चिम रेलवे द्वारा मुंबई सेंट्रल स्थित जगजीवनराम अस्पताल में मुम्बई डिवीजन,पश्चिम रेलवे के अन्तर्गत फूड स्टाल पर कार्यरत खाद्य सुपरवाईजर एवं विक्रेताओं के लिये खाद्य सुरक्षा प्रशिक्षण और प्रमाणीकरण कार्यक्रम का आयोजन सुचारु रुप से किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता पश्चिम रेलवे के प्रधान मुख्य चिकित्सा निदेशक डॉ सी एस आनंद जी द्वारा की गई। इस कार्यक्रम के दौरान मेडिकल डायरेक्टर जगजीवनराम डॉ हफिजुननिशा, मुख्य स्वास्थ्य निदेशक पस्चिम रेलवे डॉ मीना शेखर , जायंट फूड सेफ्टी कमिशनर डॉ इन्द्रनील भट्टाचार्य,अपर मुख्य स्वास्थ्य निदेशक डॉ निशा सिंह, डेजिग्नेटेड आफिसर पस्चिम रेलवे श्री पी एस परब आदि गणमान्य व्यक्ति उपास्थित थे एव खाद्य सुरक्षा हेतु जानकारी प्रदान किया । इस कार्यक्रम का संचालन श्री ओम प्रकाश शर्मा फूड सेफ्टी आफिसर चर्चगेट ने किया।इस कार्यक्रम मे कुल 41 सुपरवाईजर और खाद्य विक्रेता उपस्थित हुये। जिनको विस्तृत ट्रेनिंग सुश्री सबीना द्वारा दिया गया ।जिससे यात्रियों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं पौस्टिक आहार उप्लब्ध कराया जा सके।इस कार्यक्रम को सफल बनाने मे जगजीवन राम अस्पताल के कर्मचारियो के साथ- साथ श्री अजय कुमार एव श्री विनोद कुमार चर्चगेट ने अहम योगदान दिया।

पत्रकार के खिलाफ की गई एफ आई आर के विरोध में पत्रकार महासंघ ने एसपीओपी दिया ज्ञापन

पुष्पांजलि टुडे रिपोर्टर
अभिषेक कुशवाह

सिरोंज । पत्रकार महासंघ सिरोंज के द्वारा मंगलवार को एसडीओपी को लटेरी के पत्रकार विनोद सूर्यवंशी के ऊपर दर्ज की गई द्ब.द्ब.ह्न के विरोध में ज्ञापन दिया जिसमें ज्ञापन के माध्यम से बताया गया की दिनांक 22.05.2023 को लटेरी पुलिस द्वारा पत्रकार विनोद सूर्यवंशी के खिलाफ झूठी एफ.आई.आर दर्ज कर ली गयी है। एक व्यक्ति जिसके खिलाफ सट्टा खिलाने के अनेक मुकदमें लटेरी थाने में दर्ज है, उसके छलावे में आकर लटेरी पुलिस ने एक पत्रकार के खिलाफ बिना जांच परख किये झूठा मुकदमा लाद दिया। सटोरिये ने साजिश रचकर एक महिला को आगे कर छेड़खानी की झूठी शिकायत की ओर लटेरी पुलिस ने बिना जाँच किये एक सजग पत्रकार पर ततकाल एफ.आई.आर कर दी। आपसे निवेदन है कि अतिशीघ्र उक्त मामले का सम्पूर्ण अनुसंधान किया जाये ताकी सच्चाई सबके सामने आ जाए, साथी ज्ञापन के माध्यम से दोषियों के ऊपर उचित कार्रवाई की मांग की गई इस दौरान बड़ी संख्या में पत्रकार उपस्थित रहे

जनसुनवाई में कलेक्टर ने 75 से अधिक आवेदनों पर कार्यवाही के दिए निर्देश

पंकज त्रिपाठी
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । कलेक्ट्रेट में आयोजित शासन की महत्वाकांक्षी योजना जनसुनवाई में कलेक्टर डॉ सतीष कुमार एस ने आवेदकों की समस्याओं, शिकायतों को सुना और उनका निराकरण किया। कुछ प्रकरणों में संबंधित जिला अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही एवं शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर के समक्ष 75 से अधिक आवेदन आए जिन पर संबंधितो को भेजकर कार्यवाही के निर्देष दिए । जनसुनवाई में अपर कलेक्टर श्री जेपी सैयाम, अन्य अधिकारी, शहरी एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे।जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर डॉ सतीष कुमार एस ने बीमारी से संबंधित इलाज, विद्युत बिलों में सुधार, हैण्डपंपों का संधारण, पेंशन, सडक दुघर्टना सहायता, हितग्राही मूलक योजनाओं में बैंक ॠण, बीपीएल राशन कार्ड, जमीन पर कब्जा एवं प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत कराने से संबंधित आवेदनों पर गंभीरतापूर्वक कार्यवाही करने के निर्देश दिए कि आवेदकों की ओर से प्रस्तुत किये जाने वाले आवेदनों पर गंभीरता के साथ कार्यवाही कर उनकी समस्याओं का निराकरण किया जाए साथ ही समस्याओं के निस्तारण के संबंध में की गई कार्यवाही से अवगत भी कराएं।

रिक्त पंच पदो के निर्वाचन की प्रक्रिया सम्पन्न कराने हेतु नोडल अधिकारी नियुक्त

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । कलेक्टरर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी स्थानीय निर्वाचन डॉ. सतीश कुमार एस द्वारा पंचायतो के उप निर्वाचन 2023 पूर्वाद्व हेतु रिक्त पंच पदो के लिए 23 मई से निर्वाचन की सूचना प्रकाशन तथा नाम निर्देशन प्राप्त करने की कार्यवाही होने के कारण नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। नियुक्त किये गये नोडल अधिकारी अपने अधीनस्थ स्टॉफ का सहयोग लेकर निर्वाचन कार्य सम्पन कराऐ।कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा नियुक्त किये गये नोडल अधिकारियों में अपर कलेक्टर जेपी सैयाम को कानून एवं व्यवस्था,आदर्श आचरण संहिता का क्रियान्वयन,अनुविभागीय अधिकारी राजस्व भिण्ड उदयसिंह सिकरवार को मतदान दल गठन, परिवहन प्रबंधन,जिला कार्यक्रम अधिकारी अब्दुल गफफार,डिप्टी कलेक्टर पराग जैन को प्रशिक्षण,सामग्री प्रदाय एवं वापसी प्रबंधन, वरिष्ठ लेखा अधिकारी लक्ष्मीतकांत अवस्थी को सांख्की आंकडो का प्रबंधन एवं व्याय लेखा,जिला कोषालय अधिकारी हरिनारायण मिश्रा को मतपत्रो का प्रबंधन, जिला पेंशन अधिकारी गजेन्द्र बाथम को वित्तीय प्रबंधन एवं निगरानी मानदेय, मुख्य कार्यपालन अधिकारी मनोज सरियाम को मतदान केन्द्रों पर व्यरवस्था प्रबंधन,प्रबंधक ई-गवर्नेस श्री सौरभ उपाध्याय को कम्युंनिकेशन प्लान प्रबंधन,अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत राकेश खरे को सेन्स, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी श्रीमती दीप्ती यादव को आईटी प्रबंधन, अधीक्षक भू अभिलेख मोहम्मड़द रजाक खांन को रूटचार्ट/ जोन चार्ट, जिला आवकारी अधिकारी श्रीमती बसंती भूरिया को प्रेक्षक व्यवस्था, जिला शिक्षा अधिकारी हरिभुवन सिंह तोमर को मतगणना प्रबंधन,कार्यालय सहायक लोकसेवा दीपक लखेरे को आयोग के प्रोग्राम आईईएमएस एवं आईपीआईएस में ऑनलाईन प्रविष्ठि एवं कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण श्री केके शर्मा को स्ट्रांग रूम व्यवस्था समस्त का दायित्व सौंपा गया है।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 की तैयारियो को दृष्टिगत रखते हुये आज जेडी पशुपालन विभाग ने गोहद नगर पालिका का निरीक्षण किया

दैनिक पुष्पांजली टुडे

आज स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 की निकाय की तैयारियो के लिए शासन द्वारा नियुक्ति नोडल अधिकारी स्नह्र.अशोक कुमार तोमर जी ने गोहद नगर पालिका का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान 3 क्रपार्क नेकी की दीवार, सार्वजनिक शौचालय,स्न्रक्रस्न, स्नस्स्नक्क ष्ट×ष्ठ, ष्टश्वद्वश्चश्वह्लह्र प्लांट देखे। जिसमे निकाय की तैयारियां बेहतर मिली। निकाय का 3क्र पार्क सार्वजनिक शौचालय,एवं प्लांट को देखकर बहुत ही खुश हुये। तोमर जी ने स्वच्छ सर्वेक्षण से पूर्व निकाय को और बेहतर करने के लिए उपयत्री को निर्देश भी दिये। निरीक्षण के दौरान नगर के आम नागरिको से स्वच्छता के संबंध में फीडबैक भी लिया गया।फीडबैक उपरांत निकाय की सफाई व्यवस्था को लोगों ने बेहतर बताया। निरीक्षण के समय स्वच्छता नोडल अधिकारी मनोज कुमार उपाध्याय, उपयत्री आकाश त्यागी जी, एमआईएस एक्सपर्ट आशीष शर्मा,एवं अन्य नगर पालिका कर्मचारी उपस्थित रहे।

मेहगांव पुलिस ने देशी कट्टा व दो जिंदा राउंड सहित आरोपी को किया गिरफ्तार

महेंद्र शर्मा उपसंपादक पुष्पांजलि टुडे

मेहगांव। श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय श्री मनीष खत्री, श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय श्री कमलेश कुमार खरपूसे ,श्रीमान एसडीओपी महोदय मेहगांव श्री आरकेएस राठौर के निर्देशन में अपराधिक तत्वों के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत मेहगांव पुलिस द्वारा मुखबिर सूचना के आधार पर भिंड गोहद रोड से एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया जिसके कब्जे से एक अवैध 315 बोर का कट्टा तथा एक जिंदा राउंड बरामद किया ।

इसकी हुई गिरफ्तारी ----

विकाश पुत्र रामेश्वर जाटव निवासी धार का पुरा गोहद चौराहा जिला भिंड

आरोपी की गिरफ्तारी में इनकी रही मुख्य भूमिका

थाना प्रभारी मेहगांव निरीक्षक रविंद्र शर्मा उप निरीक्षक परशुराम अहिरवार, सहायक उपनिरीक्षक,अशोक तिवारी, प्रधान आरक्षक जितेंद्र सिंह, प्रदीप पचौरी ,आरक्षक दिनेश मुद्गल, हेमंत, सत्यवीर ।

ओवरलोडिंग वाहनों पर थाना मेहगांव की कार्यवाही

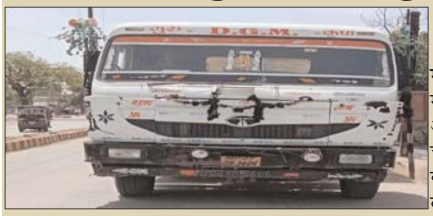

महेंद्र शर्मा उपसंपादक
पुष्पांजलि टुडे

मेहगांव। थाना मेहगांव पुलिस द्वारा मेहगांव मो रोड पर चेकिंग लगा ओवरलोडिंग वाहनों को चेक किया चेकिंग के दौरान रेत से भरे वाहन स्ब्क्07स्ब्क्606 ओवर लोड पाया जाने से वाहन के विरुद्ध द्व1 एक्ट के तहत चलानी कार्यवाही कर 14000 की राशि वसूल की गई ।

स्वावलंबी अमीर एवं सफल इंसान बनते है :अशोक सालेचा

पुष्पाजंली टुडे

बेंगलुरू।आज महिलाओं को सशक्त बनाने की बात होती है, आज महिलाओं पर पारिवारिक जिम्मेदारी के साथ अन्य जिम्मेदारियाँ भी बढ़ती जा रही है और उन सभी जिम्मेदारियो का भार एक सशक्त महिला ही भलीभाँति उठा सकती है। सशक्तता स्वावलंबन से प्रारंभ होती है और एक स्वावलंबी न केवल अमीर एवं सफल इंसान बनता है अपितु अनेकों जिम्मदारियों को निभाने में भी सक्षम होता है। यह बात जीतो केकेजी जोन द्वारा महिलाओं के लिये जोन लेवल पर आयोजित व्यंजन प्रतियोगिता में केकेजी जोन अध्यक्ष अशोक सालेचा ने कही। साथ ही उन्होंने कहा कि महिलाओं के स्वावलंबी होने से उनमे आत्मविश्वास का संचार होता है और वो जीवन जीवन की हर बाधा को पार करने में सक्षम बनती है। जोन महामंत्री दिलीप जैन के अनुसार जीतो बिज़नस नेटवर्क के अन्तर्गत आयोजित इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्धेश्य स्माल स्केल बिज़नस के माध्यम से महिलाओं को स्वावलंबी बनाना है। उन्होंने बताया कि सैकडो प्रतिभागियों के भागीदारी वाली इस प्रतियोगिता के विजेताओं का चयन व्यंजनों की नवीनता, पोषकता, वास्तविकता, प्रस्तुति एवं निर्धारित दिशा-निर्देशों आदि मानको के आधार पर किया गया।जोन के जेबीएन संयोजक तुषार बाफना ने बताया कि ऐसे आयोजनों से महिलाओं में आत्मनिर्भरता बढ़ती है और उनको रोज़गार के अवसर भी प्राप्त होते है। अपेक्स की महिला उपाध्यक्ष अर्चना सुराणा ने कहा कि महिलाओं के पाक् कौशल को निखारने वाले ऐसे आयोजन समय-समय पर होते रहने चाहिये।अपेक्स हेल्थ एंड न्यूट्रीशियन संयोजक निशा सामर ने कहा कि ऐसे आयोजनों से न्यूट्री शक्ति एवं पौष्टिकता वाले नये-नये व्यंजन देखने को मिलते है।जोन महिला संयोजक यश्मा जैन ने कहा कि महिलायें अपने ऐसे कौशल से जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकती है। जीतो साउथ महिला विंग अध्यक्ष सुनीता गांधी ने कहा आयोजन से नये एवं पौषक व्यंजनों को ज्यादा लोगो तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। स्मॉल स्केल बिज़नस संयोजिका रेखा जैन के अनुसार विजेताओं के चयन में अभिनेता रिपु दमन सिंह, कोलकोता के शेफ़ नंदनदास एवं ड्रूड स्टाइलिश नित्यानन्द बी आर ने निर्णायक की भूमिका निभायी। प्रतियोगिता में फाल्गुनी शाह ने प्रथम, निर्मला सुराणा ने द्वितीय एवं सीमा शाह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। आयोजन की व्यवस्था जीतो बैंगलुरु की महिला विंगों ने सँभाली। इस अवसर पर साउथ महिला महामंत्री मोनिका पिरगल भी उपस्थित थी। आभार नार्थ महिला महामंत्री सुमन वेदमुथा ने दिया। संचालन नार्थ महिला अध्यक्ष बिंदु रायसोनी ने किया।

शहीदों के सरताज सिक्खों के पाँचवें गुरु अर्जुन देव जी का शहीदी गुरू पर्व बड़े ही श्रृद्धापूर्वक सिख समाज द्वारा मनाया गया

रीतेश अवस्थी
पुष्पांजली टुडे

दमोह। जहाँगीर के आदेश पर 30 मई, 1606 ईस्वी को श्री गुरू अर्जुन देव जी को लाहौर में भीषण गर्मी के दौरान ÷यासा व सियासत÷ कानून के तहत लोहे के गर्म तवे पर बिठाकर शहीद कर दिया गया. ÷यासा व सियासत÷ के अनुसार किसी व्यक्ति का रक्त धरती पर गिराए बिना उसे यातनाएं देकर शहीद कर दिया जाता है। इस अवसर पर गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा में सुबह अखंड पाठ की संपूर्णता के बाद कीर्तन जत्था ज्ञानी जसपाल सिंह जी दर्दी द्वारा शबद कीर्तन अतः शबद विचार द्वारा संगत को निहाल किया। समाप्ति उपरांत छबील की सेवा समूह संगत के लिये हुई।

सीसीआरटी द्वारा इंद्रधनुष (अमृत काल) समर कैंप की हुई शुरुआत

रीतेश अवस्थी
पुष्पांजली टुडे

दमोह।सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र क्षेत्रीय केंद्र दमोह द्वारा 23 मई 2023 को इंडोर स्टेडियम उत्कृष्ट विद्यालय मैदान में 10 दिवसीय समर कैंप का शुभारंभ किया गया,जिसमे 05 गतिविधियों में कक्षा पांचवी से कक्षा नौंवी के अध्ययनरत छात्र छात्राओ को सीसीआरटी के प्रशिक्षित एवं अनुभवी विषय विशेषज्ञों द्वारा 10 दिन तक प्रशिक्षित किया जाएगा।यह आयोजन सीसीआरटी मुख्यालय नई दिल्ली से निर्देशक ॠषि वशिष्ठ के निर्देशन एवं उप निर्देशक डॉ संदीप शर्मा के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। रंगमंच में राजीव अयाची, संगीत में रवि बर्मन संगतकार नरेंद्र अरजरिया,कत्थक में श्रीमती सिंधु राजपूत ,क्ले आर्ट में आर के सेन एवं चित्रकला में दिलीप नामदेव के द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है।उद्घाटन सत्र में दमोह के तहसीलदार मोहित जैन ने दीप प्रज्ज्वलित कर सरस्वती माता एवं श्रद्धेय कमलादेवी चट्टोपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पित कर शुभारंभ किया।इस दौरान प्रख्यात फोटोग्राफर मनोहर काजल , आरआई अभिषेक जैन, सचिन सिंह,रवि ठाकुर,हरिओम खरे,सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र दमोह से क्षेत्राधिकारी अनुज वाजपेई एवं त्रिपाल सिंह मौजूद रहे।

जबेरा विधायक धर्मेंद्र सिंह लोधी की अध्यक्षता में

विवाह निकाह योजना की बैठक संपन्न

पुष्पांजली टुडे

दमोह।मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह/निकाय योजना के अंतर्गत सामूहिक विवाह सम्मेलन प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में निरंतर संपूर्ण मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह योजना का आयोजन किया जा रहा हैं। इसी क्रम में दमोह जिले की विधानसभा जबेरा में तय किया गया हैं कि विवाह/निकाह योजना का आयोजन 29 मई 2023 को हाई स्कूल ग्राउंड परिसर नोहटा में किया जाना हैं। इस आयोजन की रूपरेखा एवं कार्यस्थल के सबंध में जबेरा विधायक धर्मेंद्र सिंह लोधी की अध्यक्षता में बैठक संपन्न हुई। जबेरा विधायक ने स्थल का निरीक्षण किया एवं आवश्यक सुविधाओं के लिए अधिकारियों से चर्चा की। बैठक एवं स्थल निरीक्षण के दौरान एसडीएम अविनाश रावत, जबेरा सीईओ रामेश्वर पटेल, तेंदूखेड़ा सीईओ मनीष बागरी, जबेरा तहसीलदार विवेक व्यास, नायब तहसीलदार नीलू बागरी, नोहटा थाना प्रभारी विकास चौहान, सत्येंद्र सिंह लोधी, सतपाल सिंह, गोपाल ठाकुर, उमराव सिंह, हेमराज सिंह, भूपेश गंधर्व, निजाम सिंह सहित अन्य लोगों की मौजूदगी रही।

जनसुनवाई में 116 आवेदन आये

पुष्पांजली टुडे

दमोह। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। कलेक्टर मयंक अग्रवाल ने सीईओ जिला पंचायत अजय श्रीवास्तव सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारियों के साथ विभिन्न विभागों के जिला अधिकारियों ने मौजूद रहकर आवेदकों के आवेदन लिए और उनका मौके पर निराकरण करने का प्रयास किया। साथ ही कलेक्टर अग्रवाल के द्वारा समय-सीमा में निराकरण के निर्देश अधिकारियों को दिये।मंगलवार कि जनसुनवाई में 116 आवेदन आये।

करें योग, रहे निरोग

रीतेश अवस्थी
पुष्पांजली टुडे

दमोह। शहर के जबलपुर नाका स्थित शक्ति नगर कॉलोनी में मंगलवार के दिन वार्ड के बच्चों को योग का प्रशिक्षण दिया गया। कॉलोनी निवासी शिक्षा चौबे के निवास पर वर्षा चौबे के द्वारा सभी बच्चों को योगा कराया गया।इस दौरान बड़ी संख्या में योग में शामिल हुये जिनमें रूद्र चौबे,तरुण चौबे, दीपक चौबे, रिंकू रैकवार,प्रियंका राय,सहित कॉलोनी के सभी बच्चों की उपस्थिति रही।

सलेहा रोड किसी बड़े हादसे के इंतजार में जिम्मेदार अधिकारी बने मूक दर्शक

संभागीय ब्यूरो गौरीशंकर कुशवाहा की पुष्पांजली टुडे की खबर

पन्ना/देवेंद्रनगर- देखा जा रहा है विगत कुछ वर्षो से सलेहा रोड सबसे ज्यादा व्यस्ततम मार्ग होता जा रहा है उसके बावजूद सलेहा रोड में बड़े वाहनों का आवागमन अघोषित टैक्सी स्टैंड साथ ही साथ रोड के ऊपर फुटपाथ मार्केट जो किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है कई बार खबर प्रकाशित हुई और इस पर कार्यवाही भी हुई है लेकिन आज तक इसका समुचित व्यवस्था नहीं की गई अब लेकिन लगता है शासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रही है इसके बाद ही यह व्यवस्था सुधार में आएगी खासकर की सुबह 6:00 से 9:00 बजे तक यह स्थिति होती है

सुशासन में बाधक केंद्र-राज्य टकराव

उम्मीद है दिल्ली सरकार और उपराज्यपाल के बीच शहर की सिविल सेवाओं की निगरानी और नियंत्रण पर हक को लेकर सर्वोच्च न्यायालय में दायर किए गए केस में आये फैसले से यह विवाद खत्म हो जाएगा। हालांकि दोनों पक्ष कानून के महत्त्वपूर्ण बिंदु गिनाकर अपना हक ज्यादा होने की बहस करते रहे हैं लेकिन एक साधारण आदमी के लिए यह विवाद सिरे से अनुचित है। एक वैधानिक रूप से निर्वाचित सरकार का काम प्रशासन चलाना और विकास कार्य करना होता है जिसके पास अपनी नीतियां लागू करने और अच्छा शासन देने के लिए विभिन्न श्रेणी की सिविल सेवाओं की सुविधा उपलब्ध होती है। कोई मंत्री विभाग मिलने के बाद, अपना काम मुख्यालय में सचिवों और जिलों में तैनात फील्ड स्टाफ की मार्फत चलाता है। शीर्ष से शुरू होकर, प्रशासनिक व्यवस्था का पदानुक्रम स्पष्ट है = मुख्य मंत्री-मंत्री-सचिव-विभागाध्यक्ष... इत्यादि। राज्यपाल या उपराज्यपाल का ओहदा मुख्य तौर पर राज्य के संवैधानिक मुखिया का होता है।

चूंकि दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र का अंग है और केंद्रीय सरकार का मुख्यालय भी यहीं है, इसलिए यहां प्रशासनिक शक्ति के बंटवारे को लेकर सदा अस्पष्टता रही है, मसलन, इस मसले को लेकर कि सुरक्षा, आपूर्ति और योजना जैसे महकमे किसके अधीन हों। जब से दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार बनी है, केंद्रीय गृह मंत्रालय समय-समय पर आदेश जारी करता आया है, नतीजतन शासन चलाने के अधिकार उप-राज्यपाल के हाथों में केंद्रित होते चले गए और निर्वाचित सरकार कमजोर बनती गई। इससे दिल्ली सरकार के लिए न केवल बदलियां और नियुक्तियां करने में अड़चनें पैदा हुईं बल्कि नीति निर्धारण और क्रियान्वयन में भी रोड़े अटके। इससे एक-दूसरे पर दोषारोपण और प्रत्युत्तर जमकर चले व आपसी कलह सार्वजनिक हुई। उम्मीद करते हैं कि अब सर्वोच्च न्यायालय ने इस विषय में फैसला दे दिया हैङ्क यूं भी हमारे पास इससे उच्च और कोई प्राधिकरण नहीं है।

केंद्र-राज्य संबंध के बृहद प्रश्न की ओर पुनः लौटते हैं, यह ऐसा क्षेत्र हैं जिसमें ह्रास जारी है और जिसके परिणामस्वरूप विकास और प्रशासन दोनों ही प्रभावित होते हैं। आज भारत विश्व का सबसे ज्यादा आबादी वाला देश और सबसे तेज बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। देश के बतौर मध्य-आय वाले मुल्क में बदलाव के क्रम को बरकरार रखने के लिए जरूरी है कि आने वाले दशकों में भी यह विकास गाथा सतत और ऊर्जावान बनी रहे। करोड़ों लोगों को गरीबी और न्यून आय श्रेणी से ऊपर उठाना अत्यंत कठिन काम है। उतना ही दुरूह है, ग्रामीण समाज और कृषि आधारित आर्थिकी का बतौर शहरी और औद्योगिक रूपांतरण करना। नीति निर्धारण, व्यवस्था, जवाबदेही और सामान्य कानून-व्यवस्था संचालन हेतु संस्थानों का विकास और सुदृढ़ीकरण एक ऐसी बुनियाद है जिसपर कोई देश निर्मित होता है । इसके लिए केंद्र-राज्य संबंध अच्छे बने रहने की अहमियत बहुत है। विगत में विभिन्न राजनीतिक दलों की केंद्र सरकारें रही हैं, लेकिन सूबों की शक्ति धीरे-धीरे संकुचित करते हुए ताकत अपने पास केंद्रित करने की प्रवृत्ति सबकी रही है। केंद्र की एजेंसियों की भांति राज्यपाल का इस्तेमाल बतौर एक औजार सूबों के राजनीतिक मामलों में दखलअंदाजी करने में बढ़ता चला गया। राज्यपाल का ओहदा बनाने का मंतव्य था, भारत सरकार का प्रतिनिधि बनकर अपने संवैधानिक दायित्व निभाना और केंद्र-राज्य सरकार के बीच संबंधों को मधुर बनाना। आज अधिकांश राज्य सरकारों और राज्यपालों के बीच रिश्ते कटु हैं और यह बात सार्वजनिक रूप से सबको पता है। राजभवनों में जिस किस्म के राजमर्मज्ञ भाव की मौजूदगी होनी चाहिए, वह आज गायब है और राजनीतिक कार्यकर्ता बनने का रुझान हावी हो रहा है। इसलिए राज्य सरकारें एक अनुभवी और सक्षम शख्सियत की नेक सलाह से वंचित हैं। ज्यादातर यह वित्तीय मामले हैं जिनमें राज्यपाल-सूबे की सरकार के बीच तनातनी अधिक दिखाई देती है। हालांकि वित्त-प्रबंधन राज्यों का विषय है लेकिन राष्ट्रीय खजाने की चाबी केंद्र सरकार के हाथ में होने की वजह से अधिकांश सूबों को न्यायोचित और समान वितरण के लिए उसका मुंह ताकना पड़ता है। जीएसटी व्यवस्था लागू होने बाद यह लाचारी और अधिक बढ़ गयी। आपसी तनाव तब और उभरकर सामने आते हैं जब केंद्र और राज्यों में एक-दूसरे के विरोधी दलों की सरकारें सत्तासीन हों। ऐसे रिश्तों में परस्पर शक बहुत बढ़ जाता है। संबंधित राज्य सरकार को हमेशा लगता है कि उसके न्यायोचित हक से उसे वंचित रखा जा रहा है। यही वह क्षेत्र है जहां धन जारी करने में अधिक पारदर्शिता होना जरूरी है। वहीं दूसरी ओर, जारी किए गए पैसे के खर्च को लेकर राज्य सरकार की उचित जवाबदेही होना जरूरी है। अनुभव दर्शाता है कि कि केंद्र सरकार के पास राज्यों द्वारा किये खर्च की निगरानी के लिए समुचित तंत्र नहीं है, नतीजतन, प्राप्त धन का दुरुपयोग होता है या अन्यत्र किसी मद में खर्च किया जाता है। धन वितरण और खर्च न्यायोचित हो और इनकी जवाबदेही तय होनी चाहिए। एक अन्य क्षेत्र जिसमें केंद्र-राज्य सरकार के बीच धन और तालमेल में बहुत सुधार करने की आवश्यकता है, वह है आपदा प्रबंधनङ्क प्राकृतिक हो अथवा मानव निर्मित। मसलन, मणिपुर में दंगा पीड़ितों का पुनर्वासङ्कजब मैतेई, कुकी, पैते, ज़ोंमी जाति को अन्य जगह पर बसाना पड़ा था। जरूरतमंद तक सहायता पहुंचाने को धन और एजेंसियों की जरूरत होती है और इसके लिए केंद्र और राज्य सरकार को समर्थ बनना जरूरी है। उजड़े लोगों को हमेशा के लिए मलिन-बस्तियों में न रहना पड़े, जैसा कि हम अनेकानेक राज्यों में दंगा पीडितों के मामले में देखते हैं। वर्तमान में, पुनर्वास केवल उनकी चिंता है जो बेघर हुए पड़े हैं,जिन्हें अपने गांवों से खदेड़ दिया गया, घर जला दिए, उनके धार्मिक स्थल तबाह कर दिए गए। जहां तक मेरी जानकारी है, केंद्र अथवा राज्य के किसी राजनेता ने वास्तविक घटना स्थल का दौरा करके झुलसी धरती और बेघर हुए लोगों की सुध लेना गवारा नहीं कियाङ्क क्यों नहीं? यदि वे चुनावी प्रचार के लिए राज्य-राज्य घूम सकते हैं तो चूराचांदपुर क्यों नहीं? दुनियाभर में सत्ता की राजनीति में, जनता और स्रोतों पर नियंत्रण बनाना सरकारों के कर्म का हिस्सा और तरीका है। विकसित जगत और अन्य मुल्कों में एक फर्क है कि सरकार के विभिन्न अंगों के बीच शक्ति का वितरण कितना और कैसा है। कार्यपालिका, न्यायपालिका, मीडिया और विधायिका (और वे संस्थान जो इन मुख्य स्तंभों का हिस्सा हैं) को अपनी भूमिका सही ढंग से निभानी पड़ेगी। राजशक्ति का वितरण कुछ इस तरह हो कि सख्त निगरानी और संतुलन बना रहे और कोई एक संस्थान या व्यक्ति सर्व-शक्तिमान न बनने पाए। यदि केंद्र और राज्य सरकारें अपने कर्मों में उच्च शुचिता, दक्षता और नैतिकता दर्शाएं तो विकास और बढ़िया प्रशासन स्वतः हो जाएगा- इसके लिए चाहिए एक ऐसा नेतृत्व जो संविधान, देश के संस्थापक पुरखों के आदर्शों और लोगों की सेवा करने को प्रतिबद्ध हो।

मेरा भारत

ऋषिकर्म का धर्म

दुनिया के किसी भी सभ्य समाज में मार्गदर्शक पेशों, कानून के रक्षकों और सेहत के संरक्षक चिकित्सकों से जनता की आस रहती है कि वे अपने पेशे के उच्च मानकों का पालन करें। वजह यह कि उनके दायित्व किसी वेतनभोगी व निर्धारित कार्यावधि के तय मापदंडों से परे माने जाते हैं। यही कारण है कि प्राचीन काल में गुरु की महिमा की अनंत गाथा हमारे पौराणिक आख्यानों तथा साहित्य में मिलती है। इसकी वजह यह भी थी कि गुरु लौकिक सुख की परवाह किये बिना शिष्य के सर्वांगीण विकास को अपना ध्येय मानता था। निस्संदेह, किसी भी पेशे के व्यक्ति का सम्मान इस बात पर निर्भर है कि वह निजी हितों के बजाय समाज के हितों को कितना महत्व देता है। समाज में शिक्षक, सैनिक, चिकित्सक, न्यायाधीश, पत्रकार, साहित्यकार को शेष व्यवसायों से जुड़े लोगों पर अधिमान दिया जाता रहा है। जिसके मूल में यही सोच काम करती है कि समाज के ये लोग अपनी सुख-सुविधाओं के बजाय समाज के व्यापक हितों को प्राथमिकता दें। नीर-क्षीर विवेक से अपने दायित्वों का निर्वहन करें। दरअसल, यह सम्मान समाज के इन नियामक पेशे से जुड़े लोगों को इनके गुरुतर दायित्व का बोध भी कराता है। निस्संदेह, सरकार व राजाश्रय से मिलने वाली सुख-सुविधाओं के विस्तार के साथ ऋषिकर्म की प्रतिष्ठा का क्षरण एक स्वाभाविक प्रतिफल है। यदि हम आज स्वतंत्रता संग्राम में आहुति देने वाले राजनेताओं, वकीलों, शिक्षकों, साहित्यकारों व पत्रकारों को आदर से याद करते हैं तो उसके मूल में उनके त्याग से गुरुतर सामाजिक दायित्वों का निर्वहन ही है। हाल ही की एक खबर के अनुसार एक विश्वविद्यालय के शिक्षकों की लंबी कोशिशों के बाद उनकी छुट्टियों को विस्तार मिला है। निस्संदेह, छुट्टी हर व्यक्ति की आकांक्षा है। भारत दुनिया के उन गिने-चुने देशों में शामिल है जहां साप्ताहिक अवकाश के अलावा तमाम पर्व-त्योहारों व राष्ट्र के नायकों की स्मृति में अवकाश की परंपरा है। सवाल यहां उच्च शिक्षा में अध्यापन की समय अवधि का भी है। जिसके मूल में सोच यही रही होगी कि अध्यापन को जीवंत बनाने के लिये अध्ययन, शोध और अनुसंधान को विस्तार देने के लिये पर्याप्त समय मिल सके। निस्संदेह, शिक्षा की गुणवत्ता हर व्यवस्था की प्राथमिकता होती है,ताकि देश की नयी पीढ़ी को समय की जरूरत के मुताबिक आधुनिक व व्यावहारिक शिक्षा मिल सके। उन संस्थानों में एक जिम्मेदार नागरिक के गुणों के साथ कौशल विकास का वातावरण मिल सके। पुराने समय में कहावत भी रही है कि एक शिक्षक का दायित्व एक घड़े की तरह शिष्य के व्यक्तित्व को आकार देना होता है। तेज भागती दुनिया में शिक्षा भी बहुत तेजी से बदलाव के दौर से गुजर रही है। हमें आज विद्यार्थी यानी भावी मानव संसाधन देश के साथ ही अंतर्राष्ट्रीय जरूरतों के मुताबिक तैयार करने की जरूरत है। यह तभी संभव है जब उनके व्यक्तित्व निर्धारण में शिक्षक पर्याप्त समय देंगे। संक्रमणकाल के दौर से गुजरते समाज में अभिभावक भी वैसा ध्यान आमतौर पर नहीं दे पाते जैसा विद्यार्थी के जीवन को संवारने के लिये जरूरी है। ऐसे में गुरुजनों का दायित्व और अधिक बढ़ जाता है।

एक ही मुर्गी बार-बार कई जगह हलाल!

हरिशंकर व्याससरकार से जब भी टैक्स बढने या ज्यादा से ज्यादा वस्तुओं और सेवाओं पर टैक्स लगाने के बारे में पूछा जाता है तो उसका एक सपाट जवाब होता है कि वह टैक्स के पैसे का इस्तेमाल जनता की भलाई के लिए कर रही है। कैसे? जवाब है सरकार टैक्स के पैसे से बुनियादी ढांचे का विकास कर रही है। फिर सोशल मीडिया में देश की जनता को धिक्कारते हुए ये पोस्ट वायरल कराए जाते है कि देश के लोग चाहते हैं कि ट्रेन दुर्घटना नहीं हो लेकिन ट्रेन का किराया बढ़ाया जाना कबूल नहीं है। लोग चाहते हैं कि सड़कें अच्छी बनें पर उसके लिए पैसा चुकाने को तैयार नहीं हैं। मोदी सरकार में इस तरह के पोस्ट का क्यों भरमार है? क्योंकि इससे सरकार की वसूली सही ठहरती है तो मुफ्तखोरी का आरोप लगा कर जनता को चुप करा दिया जाता है। असलियत बिल्कुल अलग है।गौर कर इस मिसाल पर। सरकार कहती है कि वह टैक्स के पैसे सड़क बनवा रही है। लेकिन उसी सड़क पर चलने के लिए आम नागरिक को चार बार अलग अलग तरह से पैसे देने होते हैं। गाड़ी की कीमत पर लगने वाले भारी भरकम टैक्स को छोड़ दें तब भी गाड़ी खरीदने के बाद रजिस्ट्रेशन के समय रोड टैक्स जमा कराया जाता है। उसके बाद पेट्रोल या डीजल की कीमत पर 50 फीसदी से ज्यादा टैक्स चुकाना होता है। इस टैक्स के बाद लोगों को पेट्रोल और डीजल पर प्रति लीटर के हिसाब से रोड इंफ्रास्ट्रक्चर का सेस यानी उपकर भी देना होता है। अंत में सड़क पर भारी भरकम टोल टैक्स चुकाना होता है, जो अक्सर किसी निजी कंपनी को जाता है और उस पर भी सरकार जीएसटी वसूलती है। सोचें, एक मुर्गी को कितनी बार हलाल किया जाता है! असल में आजकल सरकार टैक्स के पैसे से बुनियादी ढांचे का विकास नहीं कर रही है। उसने बुनियादी ढांचे का पीपीपी या हाइब्रिड मॉडल निकाला है, जिसमें सरकार पैसा नहीं देती है, बल्कि निजी कंपनियां बैंकों से कर्ज लेकर बुनियादी ढांचे का विकास करती हैं और उसके इस्तेमाल के लिए जनता से पैसे वसूलती हैं।यह बात सिर्फ सड़क परिवहन के मामले में नहींहै, हर जगह देखी जा सकती है। एक एक करके हवाईअड्डे निजी होते जा रहे हैं। उन हवाईअड्डों पर लगने वाला यूजर चार्ज कई गुना बढ़ा दिया गया है। इसी तर्ज पर रेलवे स्टेशनों का भी कथित तौर पर विकास हो रहा है।उन्हें सुंदर बनाया जा रहा है। उसके इस्तेमाल के लिए जनता से अलग पैसे वसूले जा रहे हैं। देश भर के रेलवे स्टेशनों का सौंदर्यीकरण हो रहा है। यह काम निजी कंपनियां अपने पैसे से या बैंकों से लोन लेकर कर रही हैं। कुछ प्रोजेक्ट्स में जरूर सरकार भी पैसे दे रही है, लेकिन ज्यादातर प्रोजेक्ट निजी कंपनियां खुद पूरा कर रही हैं। बदले में लोगों से स्टेशनों के इस्तेमाल के लिए यूजर चार्ज वसूला जाएगा। प्लेटफॉर्म टिकट कई गुना बढ़ गए है। किराए में बेतहाशा बढ़ोतरी हो रही है। नई ट्रेनें चलाई जा रही हैं तो उसमें फ्लेक्सी फेयर लागू किया गया है, जिससे ट्रेन का किराया हवाईजहाज के किराए की तरह बढ़ रहा है।लेकिन लोगों को क्या समझाया जा रहा है? उन्हें अच्छी सुविधा मिल रही है तो कुछ पैसे चुकाने में दिक्कत नहीं होनी चाहिए। सोचें, ये दोनों बातें कैसे हो सकती हैं? एक तरफ जनता के पैसे से अच्छी सुविधा विकसित हो रही है तो दूसरी तरफ उसी सुविधा के इस्तेमाल के लिए जनता से शुल्क वसूली जा रहा है! फिर भले वह अडानी की जेब में जाए या किसी ठेकेदारी की जेब में। जो सुविधा निजी कंपनियां अपने पैसे से विकसित कर रही हैं उसके लिए सरकार उनको दूसरी सुविधाएं दे रही है। स्टेशनों पर रेलवे की जमीन का कारोबारी इस्तेमाल बढ़ रहा है। बावजूद इसके कंपनियां जनता से यूजर चार्ज वसूलती हैं। उस पर सरकार अलग जीएसटी लेती है। इस तरह से यह एक दुष्चक्र बन गया है, जिसमें जनता कदम कदम पर किसी न किसी तरह से सेवा शुल्क चुका रही है। अपनी जेबे खाली कर रही है।

जनता के पैसे से बैंक मालामाल!

हरिशंकर व्यास,सरकार की ओर से इस बात का जोर शोर से प्रचार है कि पिछले नौ सालों में बैंकों की स्थिति ठीक हुई है। उनकी बैलेंस शीट अच्छी हुई है। एनपीए कम हुआ है। यह दावा सही है लेकिन ऐसा कैसे हुआ है यह नहीं बताया जा रहा है। बैंकों की एनपीए इसलिए कम दिख रहा है क्योंकि बैलेंस शीट साफ-सुथरी रखने के लिए बैंकों के खराब लोन यानी, जो लोन लौटाए नहीं जा रहे थे उनकी वसूली करने की बजाय उन्हें बैलेंस शीट से हटा कर बट्टे खाते में डाल दिया गया। यानी राइट ऑफ कर दिया गया। इसके अलावा सरकार ने एक इंसॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड यानी आईबीसी बनाया, जिसे हिंदी में दिवालिया संहिता कहते हैं। इसके जरिए कंपनियों को औने पौने में अपना कर्ज निपटाने की सुविधा दी गई। एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक आईबीसी के तहत बैंक अपने बैड लोन का सिर्फ 17 फीसदी वसूल कर सके हैं। बैंकों का दावा कोई नौ लाख करोड़ रुपए का था, जिसमें से 1.37 लाख करोड़ रुपए की वसूली हो पाई। लेकिन चूंकि ऐसे सारे लोन पहले ही बट्टे खाते में डाले जा चुके हैं इसलिए बैंकों की आर्थिक सेहत बताने में इनका जिक्र नहीं होता है।दो घटनाएं एक साथ हुई हैं। जब से दिवालिया संहिता लागू है और बड़े कारोबारियों का लाखों करोड़ रुपए का कर्ज या तो बट्टे खाते में गया है या औने पौने में निपटाया गया है तब से आम आदमी के लिए बैंकिंग महंगी बना दी गई है। इतनी तरह के बैंकिंग चार्ज लगा दिए गए हैं कि सिर्फ उनकी वसूली से बैंक मालामाल हो गए हैं। एक तरफ ब्याज दरों को बहुत कम रखा गया है। पिछले एक साल से ज्यादा समय तो बचत खाते या यहां तक की फिक्स जमा पर भी ब्याज रेट महंगाई दर से कम थी। यानी बैंकों में एफडी किया गया पैसा भी कम हो रहा था। बैंक ग्राहकों को कम ब्याज दे रहे हैं और कर्ज पर ज्यादा ब्याज वसूल रहे हैं।

आत्मसम्मान की रक्षा से सफलता की ऊंचाई

जो व्यक्ति अपना सम्मान करना जानता है, वह निश्चय ही दूसरों का सम्मान भी करता है। अमेरिकी मनोवैज्ञानिक अब्राहम मास्लो कहते हैं कि 'संतुलित आत्मसम्मान विकसित करने से व्यक्ति आत्म-साक्षात्कार और पूर्ण जीवन प्राप्त कर सकता है।' मास्लो यह भी कहते हैं कि लोगों के अंदर नई जरूरतें और इच्छाएं उत्पन्न होती रहती हैं। इसलिए आत्मसम्मान जीवनभर अलग-अलग हो सकता है। इसका संतुलन बनाए रखना एक निरंतर व्यायाम है। जिस तरह प्रतिदिन व्यायाम करने से व्यक्ति तन-मन से स्वस्थ रहता है, उसी तरह संतुलित आत्मसम्मान वाला व्यक्ति न केवल उच्च पद पर पहुंचता है, अपितु एक गरिमामय जीवन व्यतीत करता है। बच्चों में आत्मसम्मान की भावना को प्रारंभ से ही बढ़ावा देना चाहिए। कई बार क्रोध एवं आवेश में बच्चे की गलती पर उसे कठोर शब्द बोलकर उसके आत्मसम्मान को चोट पहुंचा दी जाती है, जिससे बच्चा गलत मार्ग की ओर मुड़ जाता है। बचपन में वे गलतियां भी करते हैं। ऐसे में गुरु एवं माता-पिता की जिम्मेदारी होती है कि वे सूझबूझ एवं समझदारी से बच्चे की गलती एवं कमज़ोरियों को दूर करें।

एक बहुत प्रसिद्ध स्कूल में एक दिन आरुष नामक एक विद्यार्थी बहुत कीमती घड़ी पहनकर आया। उसकी कीमती घड़ी ने मित्रों पर बहुत प्रभाव छोड़ा। हर मित्र स्वयं भी अपनी कलाई पर ऐसी घड़ी पहनने को लालायित था। उस दिन कक्षा में गणित की परीक्षा थी। समय देखने के लिए आरुष ने घड़ी कलाई से निकालकर मेज पर रख दी और पेपर करने लगा। पेपर करने के बाद वह हाथ-मुंह धोने के लिए कमरे से बाहर चला गया। पांच मिनट बाद वह कक्षा के अंदर आया तो क्या देखता है कि उसकी घड़ी मेज से गायब है। यह देखकर उसका चेहरा सफेद पड़ गया। आज पहली बार वह घड़ी पहनकर आया था। माता-पिता दोनों ने उसे कहा भी था कि, 'बेटा, स्कूल घड़ी पहनकर मत जाओ। इतनी कीमती घड़ी कोई चुरा न ले।' लेकिन आरुष नहीं माना। आखिर घड़ी चोरी हो गई। उसने घड़ी को हर ओर अच्छी तरह ढूंढ़ा लेकिन वह कहीं नहीं मिली। उसकी आंखों से आंसू बह निकले। वह शिक्षक के पास गया और अपनी घड़ी खोने की सूचना उन्हें दी। शिक्षक बोले, 'दरवाजा बंद कर दो। अभी कक्षा से तुम्हारे अलावा कोई बाहर नहीं गया था। इस तरह वह घड़ी कक्षा में ही है। मैं सभी की तलाशी लूंगा। घड़ी मिल जाएगी। चिंता मत करो। तुम अपनी सीट पर जाओ।

आरुष अपनी सीट पर आकर बैठ गया। इसके बाद शिक्षक ने चपरासी से 40 काली पट्टियां मंगवाईं। उन पट्टियों को उन्होंने प्रत्येक विद्यार्थी की आंखों पर बांध दिया। इसके बाद वे आरुष की घड़ी खोजने लगे। कुछ ही देर में घड़ी मिल गई। उन्होंने घड़ी आरुष को थमा दी और सभी विद्यार्थियों को पट्टी उतारने के लिए बोल दिया। आरुष अपनी घड़ी पाकर फूला न समाया। लेकिन किसी भी विद्यार्थी को यह ज्ञात नहीं हुआ कि घड़ी-चोर कौन था? यह बात सिर्फ वही विद्यार्थी जानता था जिसने घड़ी चुराई थी। उसे लग रहा था कि बस किसी भी पल शिक्षक उसका नाम ले देंगे और इस तरह उसकी पोल सबके सामने खुल जाएगी। लेकिन शिक्षक ने किसी भी विद्यार्थी का नाम न लिया। दूसरे दिन भी उन्होंने चोर के बारे में कुछ नहीं कहा। चोर विद्यार्थी को आत्मग्लानि होती कि कहीं शिक्षक उसे पकड़ कर प्रिंसिपल के सामने खड़ा न कर दें।

दिन बीतते रहे और घड़ी की चोरी वाली बात धीरे-धीरे सभी विद्यार्थियों के मस्तिष्क से धूमिल होती गई। दिन महीनों में बदले, महीने सालों में। अब वह चोर विद्यार्थी एक जाना-माना उद्योगपति बन चुका था। एक दिन उसे अपने ही स्कूल में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। उसके वही शिक्षक भी वहां उपस्थित थे जो अब वृद्ध हो चुके थे।

स्कूल के कार्यक्रम के बाद उद्योगपति शिक्षक के पास पहुंचे और उनके पैर पकड़ लिए। शिक्षक हैरानी से उसे देखने लगे। यह देख कर उद्योगपति बोले, 'सर, आपने मुझे नहीं पहचाना। मैं वही घड़ी चोर हूं जिसने आरुष की घड़ी चुराई थी।' यह सुनकर शिक्षक को बरसों पुरानी घड़ी की चोरी वाली घटना याद आ गई। शिक्षक उसे उठाते हुए बोले, 'अच्छा वह तुम थे। मैं तो यह बात आज तक नहीं जान पाया।' यह सुनकर उद्योगपति हैरानी से बोले, 'भला यह कैसे संभव है?' शिक्षक मुस्कराते हुए बोले, 'इसलिए कि तुम सब की आंखों पर पट्टी बांधने के बाद एक पट्टी मैंने अपनी आंखों पर भी बांध ली थी ताकि मैं भी यह न जान पाऊं कि चोरी किसने की थी? यह करने का मकसद मेरा उस चोर विद्यार्थी के आत्मसम्मान को बचाना था।

यह सुनकर उद्योगपति की आंखों से आंसू बह निकले। वह बोला, 'सर, सचमुच उस दिन आपने मेरा आत्मसम्मान सिर्फ बचाया ही नहीं था, अपितु उसे आसमान जितना ऊंचा कर दिया था। अगर उस दिन मैं सबके सामने चोर साबित हो जाता तो अगले दिन मैं स्कूल में कदम न रखता और पढ़ाई छोड़ देता। आपने उस दिन न केवल मुझे मेरी गलती का अहसास दिलाया, मुझे ईमानदारी का पाठ पढ़ाया अपितु मेरे आत्मसम्मान को भी मरने से बचा लिया था। आज अगर मैं एक सफल उद्योगपति हूं तो सिर्फ इस कारण क्योंकि उस दिन आपने मुझे सबकी नज़रों में चोर साबित होने से बचा लिया था। हम सब भी एक-दूसरे के आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाने में लगे रहते हैं। अपनी गलती को छिपाते हैं और दूसरों की गलती को बढ़ा-चढ़ाकर सामने लाने का प्रयास करते हैं। ऐसा करते हुए हम दूसरे व्यक्ति के आत्मसम्मान को न केवल नीचा करते हैं, अपितु एक श्रेष्ठ व्यक्ति को अपने जीवन से हमेशा के लिए खो देते हैं। लोगों के आत्मसम्मान को गिरने से बचाएं। ऐसा करने से आप श्रेष्ठ मित्रों को अपने समीप पाएंगे।

पन्ना पुलिस द्वारा अवैध रूप से रेत परिवहन करते पाए गये 02 ट्रेक्टर-ट्राली को जप्त कर की गई वैधानिक कार्यवाही

पुलिस टीम द्वारा 06 साल से फरार स्थाई वारंटी को किया गया गिरफ्तार

संभागीय ब्यूरो गौरीशंकर कुशवाहा
पुष्पांजली टुडे की खबर

पुलिस अधीक्षक पन्ना श्री धर्मराज मीना द्वारा पन्ना जिले के समस्त थाना/ चौकी प्रभारियों को जुआ / सट्टा /अवैध शराब /अवैध रेत उत्खनन एवं अवैध रेत परिवहन करने वाले व्यक्तियों तथा फरार स्थाई वारंटियो की गिरफ्तारी कर वैधानिक कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है । पुलिस अधीक्षक पन्ना के निर्देशानुसार अति.पु.अ. पन्ना श्रीमती आरती सिंह एवं समस्त अनुविभागीय अधिकारी पुलिस के मार्गदर्शन में जिले के समस्त थाना/ चौकी प्रभारियों के नेतृत्व में पुलिस टीमो का गठन किया गया है । पुलिस अधीक्षक पन्ना के आदेशानुसार समस्त थाना/चौकी प्रभारियों द्वारा अपने अपने क्षेत्र में अपने मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया है । इसी तारतम्य में थाना प्रभारी देवेंद्रनगर को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि 02 ट्रैक्टर ट्राली में अवैध रूप से बालू भरकर चाँदनी चौक देवेंन्द्रनगर की ओर जा रहे हैं थाना प्रभारी देवेंद्रनगर द्वारा तत्काल गठित पुलिस टीम के साथ मिलकर मुखबिर के बताये स्थान पहुँचकर उक्त रेत से भरे ट्रैक्टरों को रुकवाया जाकर ट्रैक्टर चालको से ट्रैक्टर ट्राली से रेत परिवहन करने के संबंध में वैध परमिट पूँछा गया जो मौके पर ट्रैक्टर चालकों ने कोई कागजात प्रस्तुत नही किये । अवैध रेत परिवहन करने वाले उक्त दोनों ट्रैक्टरों को मौके पर जप्त कर वैधानिक कार्यवाही की गई है ।इसी प्रकार मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर माननीय न्यायालय पन्ना के प्रकरण क्रमांक 801/2017 में फरार स्थाई वारंटी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पन्ना पेश किया गया है ।

सराहनीय योगदान - उक्त सम्पूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी देवेंद्रनगर उनि. शक्ति प्रकाश पाण्डेय, प्रधान आरक्षक धीरेंद्र सिंह , संदीप कुशवाहा,आरक्षक मेहरबान सिंह, संजय बघेल, वीनस पाण्डेय, रामनिरंजन कुशवाहा, रामकरण प्रजापति का सराहनीय योगदान रहा है । पुलिस अधीक्षक पन्ना द्वारा उक्त पुलिस टीम द्वारा किये गये कार्य की प्रशंसा की गई है।

जाखो राखे साईयाँ मार सके ना कोय,महिला मरीज के शरीर से निकला 7 किलो मवाद

नागपुर में 22 दिन भर्ती रहने के बाद दमोह के मिशन अस्पताल में मिला सही इलाज

रीतेश अवस्थी
पुष्पांजली टुडे

दमोह। जिले के बटियागढ़ निवासी गेंदा बाई जो अपनी किडनी की समस्या से परेशान थी। जिसकी किडनी में ख़राबी आने से मवाद पस बनने लगी और इंफेक्शन सारे शरीर में फैलने लगा परिजनों ने नागपुर की निजी अस्पताल में बीस दिनों तक भर्ती रखकर इलाज कराया मरीज गेंदाबाई जिसके शरीर से 7 किलो मवाद पस निकला जब वहाँ भी कोई आराम नहीं मिला और ऑक्सीजन पर ही उसे वापस दमोह भेज दिया गया। ऐसी नाजुक हालत में उसे मिशन अस्पताल लाया गया जहाँ 5 दिन भर्ती रहने के बाद पूर्ण स्वस्थ होकर अब अपने गाँव लौटी। दरअसल बटियाग? की रहने वाली गेंदाबाई की राइट किडनी में इंफेक्शन की वजह से शरीर में पस मवाद बन गया। किडनी ठीक तरह से काम नहीं कर रही थी। जिसके के चलते शरीर में इंफेक्शन फैल गया बीपी कम हो गया । जिसके

शरीर से काफी मात्रा में मवाद निकला इलाजनागपुर में एक निजी अस्पताल में बीस दिन तक इलाज चला लेकिन वहाँ भी कोई आराम नहीं मिला। हालत और भी गभीर हो चुकी थी पास में इतने पैसे भी नहीं थे कि नागपुर जैसी सिटी में वहाँ की अन्य अस्पताल का और खर्च उठा सके उस वक्त गेंदा बाई की हालत इतनी नाजुक थी कि उसे ऑक्सीजन पर रखे हुए नागपुर से वापस घर जाने का कह दिया गया। दमोह लौटने के बाद और भी अस्पतालों में इलाज के लिए ले जाया गया लेकिन हालत गंभीर समझकर अस्पताल में लेने से मना कर दिया गया। गंभीर अवस्था में महिला मरी? के परिजन मिशन अस्पताल पहुँचे। जिसे मिशन अस्पताल की महिला चिकित्सक डॉ हेप्सीबा ग्लोरी ने इलाज किया ख़ास बात ये रही कि 20 दिनों तक नागपुर में इलाज कराने के बाद भी कोई आराम नहीं मिला और ये कहकर वापस कर दिया गया कि अब इनकी सेवा करो। ऐसी हालत में दमोह के मिशन अस्पताल में उचित इलाज पाकर गेंदबाई और उसके परिवार ने राहत की सांस ली जो अब पूर्ण स्वास्थ है। जो कल तक यहाँ ऑक्सीजन पर आई थी आज खुद चलकर यहाँ डॉ को फिर से चेकअप कराने आई गेंदाबाई डॉ और मिशन अस्पताल का आभार मान रही है।

सेनेट्री पेड मामले मैं महिलाओं ने दिया जनसुनवाई में ज्ञापन

कार्यवाही न होने से दुखी महिलाएं पहुची कलेक्ट्रेट परिसर

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- शिवपुरी जिला मुख्यालय कलेक्ट्रेट परिसर मैं आज जन सुनवाई के दौरान सेन्टरी पेड बनाने बाली जो कंपनी 1600 से अधिक महिलायो के पैसे लेकर भाग चुकी हैं जिसकी शिकायत पूर्व मैं कोतवाली पुलिस को एवं पुलिस अधीक्षक महोदय को भी दे दी गई हैं लेकिन अभी तक दोषियों पर किसी प्रकार की कोई कार्यवाही नही हुई हैं और ही दोषियो को अभी तक पक?ा नही गया हैं जिसको लेकर आज सैक?ो महिलाएं एक साथ मिलकर जनसुनवाई मैं अपना ज्ञापन देने पहुची ज्ञापन देने पहुची महिलाओं ने बताया कि,ऋ्रञ्जढ्ढस्ञ्ज ष्टस्ङ्क9 के नाम से चन्द्रशेखर वर्मा एवं अखिलेश राजपूत द्वारा सेनेटरी पैड बैंकिंग कम्पनी खोली गयी थी जिसमें महिलाओं को 30,000 / रुपये जमा कराके 8,000 रुपये महीने के

हिसाब से रोजगार दिया गया था। जिसमें 8 कार्टून कच्चा मटेरियल घर बैठे सेनेटरी पैड पैकिंग का काम दिया जाना बताया गया था और कुछ महिलाओं को 1,06,000/- रूपये जमा कराकर 37,000/- रुपये महीना जिसमें कार्टून का कच्चा मटेरियल के हिसाब से दिया था। एक या दो महीना काम कराके करोड़ो रूपये लेकर कम्पनी के मालिक रातो-रात फरार हो गये इस काम में करीबन 1600 से 1800 महिलाये जुड़ी हुयी है। कई महिलाओं ने कई दिनों से आवेदन भी दे रखे हैं लेकिन पुलिस द्वारा उन पर कोई कार्यवाही नहीं की गयी है। बब्लू गोस्वामी को अखिलेश राजपूत 1 के बच्चों को ले जाते हुये देखा है। वो किसके कहने पर ले कर और कहाँ गया है। उसको जनता के सामने बुलाया जाये। नही तो वह सभी लोग फरार हो जायेगे जिस पर उनको अभी फिलहाल जल्द से जल्द कार्यवाही करने का अस्वासन दे दिया गया हैं

धर्म परिवर्तन की मांग को लेकर ग्रामीणों ने किया कलेक्ट्रेट परिसर का घेराव

मां सरस्वती की मूर्ति स्थापना करने को लेकर हुए स्वर्ण समाज के लोगो से विवाद ,5000 लोगो का होने जा था भंडार भी टला,कार्यक्रम करने से पूर्व अनुमति ले चुके थे

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- खबर शिवपुरी जिला मुख्यालय कलेक्ट्रेट परिसर मैं जान सुनवाई के दौरान कुछ ग्रामीण धर्म परिवर्तन की मांग को लेकर ज्ञापन सोपने आए, ज्ञापन सौंपने आये ग्रामीण ने बताया की वह विजय बराहर पुत्र श्री चतुर्भुज बराहर, निवासी ग्राम मनपुरा ने बताया कि वह गाओ मैं माँ सरस्वती की मूर्ति की स्थापना करा रहा था जिसका भण्डारा दिनांक 21.05.2023 को होना तय था, जिसकी हम सभीके द्वारा पूर्ण रूप से तैयारी की जा चुकी थी और महान्त ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री श्री 108 महान्त श्री आनंद गिरी महाराज एवं एस.डी.एम. पिछोर ने संयुक्त रूप से सहमति प्रदान की और थाना भौति को सूचित कर ग्राम में शांति व्यवस्था बनाये रखने के साथ माँ सरस्वती की प्रतिभा की स्थापना शांति पूर्वक तरीख से करने का आदेश दे दिया था। हमने अपनी तैयारियां पूर्ण कर,और 4-5 हजार लोगों का भण्डारा बनवाया लेकिन ग्राम के कुछ स्वर्ण जाति के उपद्रव करने वाले लोगों ने जैसे ही मूर्ति मंदिर परिसर के बाहर आयी मंदिर के पुजारी पवन कोटिया व उसका छोटा भाई रामबिहारी कोटिया ने मंदिर के प्रांगण मुख्य दरबाजा बंद कर दिया हम समाज बंदू व भगवान के प्रति आस्था रखने वाले लोगों ने आग्रह किया पुलिस प्रशासन ने भी पूजारी को समझाया लेकिन पूजारी ने किसी की बात न मानते हुये कुछ दबंग लोगों को बुला लिया और हम लोगों को अछूत कहकर अपमानित किया हमारी पुरी समाज व भगवान के प्रति आस्था रखने वाले और सनातन हिन्दू धर्म को मानने वाले धार्मिक धर्म में आस्था रखने वाले लोगों को ठेस पहुंची है। हम सब लोग थाना प्रभारी भौंती और तहसीलदार पिछोर के कहने पर शांतिपूर्वक कानून का सम्मान करते हुये घर वापिस आ गये. इसलिए हम सब लोग धर्म परिवर्तन करना चाहते है क्योंकि यह लोग हमें हिन्दू नहीं मानते इसलिए ये लोग हमे अभी अछूत मानते है। कुछ स्वर्ण जाति के दबंग लोगों ने बुजर्गो को सार्वजनिक स्थान मंदिर चतुर्भुजी पर जाति सूचक शब्दों से अपमानित किया था पर अभी तक इन लोगों पर कोई भी कानूनी कार्यवाही नहीं हुई हैं इसकी शिकायत 17.05.2023 को पुलिस अधीक्ष एवं जिलाधीश महोदय को दी थी। 16.05.2023 को थाना प्रभारी भौंती को दी थी, क्योंकि ये सभी लोग स्वर्ण जाति के लोग है। हम हिन्दू धर्म मानते है लेकिन हम दलित जाति के लोग है इस कारण से हमारी समाज को गलत नजरो से देखा जाता है और पूजापाठ करने व मंदिर में जाने से मना किया एवं रोका जाता है हमें धार्मिक काम करने भी हमें पूजा अर्चना करने नहीं दी और यह हमारे संविधान

नहीं दिया जाता है। हम धार्मिक कार्य करने जा रहे थे जिसकी सूचना हमने उच्च अधिकारियों को दी एवं थाने में दी थी, फिर भी हमें धार्मिक कार्य करने से दबंग लोगों ने रोक दिया धार्मिक कार्य करने से पूर्व सभी अधिकारियों को सूचना थी । पुलिस मौके पर मौजूद थी। लेकिन फिर में दिये हुये मौलिक अधिकार का हनन है जिसको प्रशासन भी नहीं रोक पा रही है इसलिए सब समाज के लोगों को धर्मपरिवर्तन करने की इजाजद दे क्योंकि हमें और हमारी समाज को आज भी अछूत माना जाता है और मंदिर में पूजा पाठ और धार्मिक कार्य करने से रोका

कलेक्टर ने किया जनपद पंचायत बदरवास के ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण

ग्राम पंचायतों में निर्मित होने वाले अमृत सरोवर तालाब की ली जानकारी, अधिकारियों को दिए निर्देश

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी ने जनपद पंचायत बदरवास के ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान विकास एवं निर्माण कार्यों का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए गए। उन्होंने ग्राम पंचायत झूलना के ग्राम बेरखेडी, ग्राम पंचायत सुमेला एवं ग्राम पंचायत अगरा में निर्मित किए जा रहे अमृत सरोवर तालाबों का निरीक्षण कर श्रमदान किया। इस मौके पर उनके साथ जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी उमराव सिंह मरावी सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी द्वारा ग्राम पंचायत अगरा में भ्रमण के दौरान अमृत सरोवर तालाब का निरीक्षण कर किस तरह तालाब निर्माण किया जाएगा, बेस्ट वेयर और पिंचिंग का निर्माण किस

तरह होगा, लेवल क्या रहेगा, मिट्टी का भराव किस तरह किया जाएगा और मानक निर्माण का स्तर क्या होगा। इसकी पूरी जानकारी दी गई। जनपद बदरवास में संचालित अमृत सरोवर तालाबों का निर्माण करने की प्रक्रिया, तकनीकी मापदंडों का पालन निर्धारित मानक अनुरूप किए जाने से संबंधित जानकारी उपस्थित अधिकारियों को दी। उन्होंने इस दौरान बताया कि तालाब निर्माण होने के बाद इन तालाबों में मछली पालन से रोजगार के साधन भी निर्मित होंगे। कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा ग्राम पंचायत झूलना के ग्राम बेरखेडी में बनाए जा रहे अमृत सरोवर तालाब के दौरान सभी तकनीकी अमले को फील्ड भ्रमण कराया। इस दौरान तालाब निर्माण की बारीकियों की भी जानकारी दी गई। कलेक्टर एवं सीईओ ने किया लाल तालाब पर श्रमदानजनपद पंचायत बदरवास की ग्राम पंचायत सुमेला के लाल तालाब पर कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी उमरावी सिंह मरावी द्वारा श्रम दान किया। श्रमदान के दौरान उन्होंने बताया कि तालाब के निर्माण के उपरांत पानी भर जाने के बाद ग्रामीणों को इस तालाब से कई फायदे होंगे। भूमिगत जलस्तर में ब?ोत्तरी होगी, पशुओं को पानी मिलेगा, पेयजल की उपलब्धता होगी।

थाना करैरा पुलिस द्वारा पकडा अवैध 315 बोर का कट्टा मय जिन्दा कारतूस के आरोपी गिरफ्तार

राकेश परिहार पिछोर

करेरा,पुलिस अधीक्षक श्री रघुवंश सिंह के द्वारा जिले मे अवैध मादक पदार्थ जुआ सट्टा, अवैध हथियार, अवैध खनन परिवहन ,अवैध शराब की धरपकड अभियान के तहत जीरो टालरेन्स अपनाने के निर्देश दिये गये उक्त निर्देश के पालन मे अति0 पुलिस अधीक्षक श्री प्रवीण भूरिया के निर्देशन में एवं स्ष्ठह्रक्करैरा श्री संजय चतुर्वेदी के कुशल मार्गदर्शन मे दिनांक 23.05.2023 के दोपहर में थाना करैरा पुलिस को मुखविर द्वारा सूचना मिली कि मछावली तिराहे के पास एक ब्यक्ति अबैध कट्टा लिए बारदात करने की नियत से घूम रहा है । मुखबिर की सूचना की तस्दीक हेतु हमराही फोर्स की मदद से मौके पर पहुंचा मुखबिर के बताए हुलिये का व्यक्ति पुलिस को पास आता देख भागने लगा जिसे फोर्स की मदद से पकडा उसका नाम व पता पूछा तो उसने अपना नाम अशोक यादव पुत्र मुन्नालाल यादव उम्र 48 साल नि0 घास मण्डी यादव धर्मशाला के पास ग्वालियर का होना बताया उक्त व्यक्ति की तलाशी लेने पर बायीं तरफ कमर में एक 315 बोर का कट्टा जिसके चैंबर मे एक कारतूस मिला जिसे विधिवत जप्त किया गया, आरोपी के विरूध्द धारा 25/27 आर्म्स एक्ट के तहत अप क्र. 300/23 पंजीबद्ध किया गया, आरोपी से बरामद सुदा कट्टे के सप्लायरों के संबंध मे पूछताछ की जा रही है । बरामद मालङ्क एक 315 बोर का देशी कट्टा मय एक जिन्दा कारतूस के कीमती 4000 रूपये इनकी रही भूमिकाङ्क थाना प्रभारी करैरा निरी0 श्री सुरेश शर्मा, सउनि सुबोध कुमार टोप्पो, प्र0आर0 मदन मोहन, सैनिक रामनिवास जोशी

शिवपुरी पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई

थाना करैरा पुलिस द्वारा 20 ग्राम स्मैक एवं एक मोटरसाइकिल के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार कर नाबालिक को पुलिस अभिरक्षा में लिया।

राकेश परिहार पिछोर

करेरा ,पुलिस अधीक्षक श्री रघुवंश

सिंह के द्वारा जिले मे अवैध मादक पदार्थ, जुआ सट्टा, अवैध हथियार, अवैध खनन परिवहन,अवैध शराब की धरपकड अभियान के तहत जीरो टालरेन्स अपनाने के निर्देश दिये गये उक्त निर्देश के पालन मे अति0 पुलिस अधीक्षक श्री प्रवीण भूरिया के निर्देशन में एवं स्ष्ठह्रक्करैरा श्री संजय चतुर्वेदी के कुशल मार्गदर्शन में आज दिनांक 23.05.2023 के दोपहर में थाना करैरा पुलिस को मुखविर द्वारा सूचना मिली कि झांसी तरफ से तीन व्यक्ति स्पलेन्डर मोटर सायकिल से स्मैक बेचने करैरा तरफ आ रहे है । उक्त सूचना की तस्दीक हेतु मौके पर हाईवे रोड कालेज तिराहा टीला रोड पर चैकिंग लगायी तो तीन व्यक्ति मुखबिर द्वारा बताये हुलिया के मोटर सायकिल से आते दिखे , जिन्हे फोर्स की मदद से घेराबंदी कर पकडा पुलिस द्वारा उसका नाम व पता पूछा तो उन्होने अपना नाम संतोष केवट पुत्र खेमराज केवट उम्र 19 साल नि0 पुल के नीचे करैरा, शिवम केवट पुत्र प्रमोद केवट उम्र 19 साल नि0 पुल के नीचे करैरा का होना बताया उनके साथ एक नाबालिक बालक भी संलिप्त था, जिनके कब्जे से 20 ग्राम स्मैक पाउडर कीमती 03 लाख रुपये, एक हीरो मो0सा0 कीमती 80 हजार रुपये, नगदी 2000 रुपये, एक इलैक्ट्रोनिक तौल कांटा व दो राउन्ड कुल मशरूका 3,87,000 रुपये का बरामद किया गया । आरोपियों के विरूद्ध अप.क्र. 301/23 धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट, 27 आर्म्स एक्ट का पंजीबद्ध किया गया । आरोपियों से बरामद शुदा मादक पदार्थ स्मैक के सप्लायरों के संबंध में पूछताछ की जा रही है । बरामद मालङ्क 20 ग्राम मादक पदार्थ स्मैक, एक इलेक्ट्रोनिक तौल कांटा, एक स्पलेन्डर मोटर सायकिल, नगदी 2000 रूपये कुल माल मशरूका कीमती 3,87,000 रुपये ।इनकी रही भूमिकाङ्क थाना प्रभारी करैरा निरी0 श्री सुरेश शर्मा, उनि कुलदीप सिंह, उनि बी0आर0 पुरोहित, प्र0आर0 136 दुर्गाचरण शर्मा, आर0 696 सोनू पाण्डेय, आर0 1073 अनूप द्विवेदी, आर0 319 चन्द्रशेखर मीणा, आर0 262 सतेन्द्र सिकरवार, आर0 260 गजेन्द्र शर्मा

शिवपुरी पुलिस द्वारा नाबालिक बालक बालिकाओं की बरामदगी हेतु कार्रवाई जारी

थाना मायापुर पुलिस ने नाबालिग बालिका को किया बरामद

राकेश परिहार पिछोर

दिनांक 17.04.23 को फरियादी उम्र 60 साल निवासी ग्राम तिजारपुर ने अपनी नाबालिग लडकी उम्र 16 साल की बिना बताये घर चले जाने के संबंध में रिपोर्ट की थी उक्त रिपोर्ट पर से अपराध क्र 67/23 धारा 363 कायम कर विवेचना मे लिया गया पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री रघुवंश सिंह द्वारा नाबालिक बालक बालिकाओं की दस्तयावी हेतु हर संभव प्रयास कर जल्द से जल्द दस्तयाब करने के निर्देश दिए गए हैं उक्त आदेश के पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री प्रवीण भूरिया एसडीओपी, पिछोर श्री प्रशांत शर्मा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी एवं उनकी टीम ने आज दिनांक 23.05.23 को अपहृता को दस्तयाब किया है ।उक्त दस्तयाबी मे थाना प्रभारी मायापुर टी.आई पूनम सविता एवं उनकी टीम सउनि शेख मेहबूब, प्र.आर.दीवान सिंह यादव,आर.चन्द्रभान सिंह ,विक्रांत शर्मा ,सहदेव तोमर ,बृजेश माहौर की सराहनीय भूमिका रही है ।

भारतीय बेरोजगार संघ के संस्थापक कोमल अहिरवार ने विभिन्न मांगों को लेकर दिया ज्ञापन

दमोह/ आज भारतीय बेरोजगार संघ के संस्थापक कोमल अहिरवार के नेतृत्व मे बेरोजगारों के अधिकारों के हित मे 11सूत्री मांगो को लेकर मुख्यमंत्री के नाम दमोह कलेक्टर को ज्ञापन सौपा एवं इस मौ? पर कोमल अहिरवार ने कहाँ की भाजपा सरकार बेरोजगारो को वनवीर अग्निवीर जैसी योजनाओं से छलना बंद करे और जो श्री नरेंद्र मोदी ने 2करो? नौकरी देने का वादा किया था उसे पूरा करे एवं मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज चौहान जी अपने वादे के अनुसार प्रत्येक वर्ष एक लाख नौकरी पुरानी पेंशन सहित नौकरी देने के वादे को पूरा करे एवं ?ब तक नौकरी नहीं देते तब तक हाई स्कूल पास बेरोजगारो को 5 हजार रूपये एवं स्नातक पास को बेरोजगारो को 8 हजार रूपये बेरोजगारी भत्ता देना शुरू करे.. साथ ही उन्होंने चेतवानी दी की अगर बेरोजगारो की 11सूत्री मांगे पूरी नहीं की गई तो 15 जून को भारतीय बेरोजगार संघ पूरे मध्यप्रदेश मे प्रदेशव्यापी आंदोलन करेंगा एवं आगामी विधानसभा चुनाव 2023 मे भाजपा का वहिष्कार करेंगा..ज्ञापन मे शामिक बहुजन भीम आर्मी के राष्टीय अध्यक्ष देवराज सूर्यवंशी ने चेतावनी दी की अगर बेरोजगारो की मांगे पूरी नहीं तो हुई तो हमारा संघठन भी बेरोजगारो की मांगो को लेकर 15 जून को स?को पर उतरेगा.. आज सिर्फ निवेदन करने आये है कल पूरे प्रदेश मे आंदोलन करेंगे जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी भाजपा सरकार की होंगी..इस मौ? पर कोमल अहिरवार (पूर्व विधानसभा प्रत्याशी दमोह)देवराज सूर्यवंशी, डॉ हरिदास पवन लँ?िया,वीरेश सेन,फारुख खान, अजय उ? हल्ली अहिरवार रमेश अहिरवार, विक्रम जाटव मिंटू भाई, नीरज अहिरवार, यशवंत अहिरवार, जितेंद्र अहिरवार, नानू प्रफुल्ल श्रीवास्तव कुद्दू खान, दिलीप अहिरवार, अभय अहिरवार,सूरज जाटव, गिरधारी रैकवार अनमोल अहिरवार की उपस्थित रहे..

खानपान

भारत में सर्दियों का मौसम ज्यादातर लोगों को खूब पसंद आता है लेकिन इन दिनों में इम्यूनिटी कमजोर होने की वजह से हमारी बॉडी के जल्द ही बीमारियों के चपेट में आने की आशंका रहती है। इस मौसम में बाजरे की रोटी स्वाद के साथ आपकी सेहत का भी पूरा ख्याल रखेगी। इसमें मौजूद फाइबर पेट की दिक्कतों को दूर करता है। बाजरा खनिज, विटामिन और आहार फाइबर सामग्री के मामले में चावल और गेहूं से बेहतर है। वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय बाजरा (मिलेट्स) वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। उत्पाद विकास पर अपर्याप्त निवेश, आहार संबंधी आदतों के प्रति प्रतिरोध और दैनिक आहार में छोटे बाजरा के उपयोग पर ज्ञान की कमी इसकी खपत को बाधित कर रही है। बाजरे में प्रोटीन, सोडियम, कार्बोहाइड्रेट और फाइबर समेत कई पोषक तत्व भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। जाड़े में इसका इस्तेमाल आप दलिया, खिचड़ी या इसके आटे की रोटी के तौर पर कर सकते हैं। इसे खाने से पाचन तंत्र दुरुस्त रहता है और गैस, पेट दर्द, अपच समेत कई दिक्कतों को दूर रखता है। बाजरे में आयरन की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है जो शरीर में ब्लड बढ़ाने में मदद करती है। इसके सेवन से हार्ट ब्लॉकेज का खतरा कम होता है और हार्ट भी हेल्दी रहता है। हेल्थ एक्सपर्ट बताते हैं कि इसके सेवन से प्रेग?नेंसी में एनीमिया से बचाव होता है। बीते कुछ सालों में आटे के बजाय मोटे अनाज की रोटियां खाने का चलन बढ़ने लगा है। अगर आप बाजरे को पसंद नहीं करते तो ज्वार, लोबिया और चने के आटे का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। उपभोक्ताओं और किसानों के लिए उनके लाभों के बावजूद, बाजरा पहली पसंद नहीं है। दरअसल, बाजार की गतिशीलता बाजरा के विकास के पक्ष में नहीं है। आय में वृद्धि और शहरीकरण के कारण बाजरे का उपयोग उपभोग के अलावा अन्य उद्देश्यों के लिए किया जा रहा है। प्रत्येक स्कूली बच्चे और आंगनवाड़ी लाभार्थी को स्थानीय रूप से प्राप्त बाजरा, ज्वार, रागी आदि के आधार पर एक दैनिक भोजन परोसा जा सकता है। बाजरा खाने के लिए तैयार खाद्य पदार्थ जैसे कुकीज, लड्डू, न्यूट्रिशन बार आदि के रूप में परोसा जा सकता है। फिट रहने के प्रति बढ़ती जागरूकता के चलते लोग अपने आहार में 'स्वस्थ' विकल्पों को शामिल करने की कोशिश कर रहे हैं। बाजरा आधारित आहार ने मधुमेह या हृदय रोगों वाले लोगों के लिए प्रभावी रूप से काम किया है क्योंकि बाजरा शुगर के स्तर को कम करने और प्रतिरक्षा को बढ़ावा देने में मदद करता है। वैकल्पिक दिनों में बाजरा आधारित आहार शामिल करना बेहतर है। बॉडी बिल्डिंग के लिए लोगों को प्रोटीन डाइट लेनी चाहिए और जो वेट मैनेजमेंट करना चाहते हैं उन्हें भी बाजरे की डाइट लेनी चाहिए। लेकिन, स्वास्थ्य विशेषज्ञों द्वारा बाजरा को मध्यम मात्रा में लेने की सलाह दी जाती है क्योंकि इसके अत्यधिक सेवन से प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। दरअसल इसमें ऐसे पदार्थ होते हैं जो थायराइड के कामकाज में बाधा डालते हैं। वहीं बाजरा की धीमी पाचन क्षमता है।

हर बात समझें नौनिहालों की

इन दिनों बच्चों की अभिव्यक्ति का तरीका बालपन-सा पारदर्शी नहीं, बल्कि जटिल होता जा रहा है। एक शोध के मुताबिक, लगभग साठ

फीसदी बच्चे अपने माता-पिता को अपने विचार सच-स्पष्ट नहीं बता पाते। परिणाम होता है ,माता-पिता में बच्चे के लिए गलतफहमी तैयार कर लेने की मानसिकता। फिर एक संघर्ष आरंभ हो जाता है। बच्चा भी धीरे-धीरे बड़ा मुखौटा पहनना सीख लेता है। उसके बाद नकारात्मक खबरें आने का सिलसिला- जैसे बच्चे ने कक्षा में मार-पीट की या किशोर हुआ तो माता-पिता पर हाथ उठाने लगा,अपराध-नशा करने लगा आदि। ऐसे में अभिभावकों की दशा भी सुखद-सामान्य नहीं रहती। तकनीकी प्रभाव हो या घर पर एकाकी जीवनशैली- तनाव के चलते बच्चे सुकून में नहीं। बड़ी तादाद में चिड़चिड़े और गुस्सैल किशोर होकर भटकते जा रहे हैं। ऐसे में अकसर अभिभावक मनोवैज्ञानिक की शरण लेते हैं कि हम अच्छा खिलाते-पहनाते हैं। लेकिन केवल इससे बच्चे का व्यक्तित्व नहीं बनता जबकि आपकी देखभाल-आचरण से खुद परिपक्व हो जाएगा। एक कस्बे में एक परिवार देखा। वहां बच्चे के माथे पर चुंबन देने के लिए अभिभावक किसी मुहूर्त की प्रतीक्षा नहीं करते बल्कि वे हर समय प्यार लुटाते हैं। इससे संस्कार खुद ही मिलते हैं। पंछियों को दाना-पानी देने को कहते। देखा-देखी पड़ोस के लोग भी ऐसा करने लगे और उनके बच्चों में भी बदलाव आने लगा। महंगा खिलौना या चॉकलेट की जगह बच्चे के मन की बात सुनकर भी आप उसका गुस्सा कम कर सकते हैं। बच्चा तब चिड़चिड़ा हो जाता है, जब उनकी बात माता-पिता सुनते नहीं। समय देकर बात सुनें तो वह खुश रहता है। बाल मनोवैज्ञानिक कैलस डिथो, और थार्नडाइक ने प्रयोग किया जिसमें जिद्दी बच्चों को इनाम दिये गये जब वे कोई कहानी या घटना सुनाते थे। हौले-हौले वे चीखने वाले बच्चे सहज होते चले गए। कारण था कि उनके किसी अनुभव को घर पर कोई सुनता नहीं था। जिन बच्चों की नींद अच्छी तरह पूरी होती है, उनमें गुस्सा कम होता है। व्यायाम करने, खेलने, हंसने या उत्साहित होने से बच्चों का गुस्सा कम हो जाता है। वहीं बच्चे के मानसिक-शारीरिक बदलाव को माता-पिता समझेंगे, तो उन्हें उन पर विश्वास हो सकेगा। बाल मनोवैज्ञानिक एमिली कैथरीन कहती हैं कि बच्चे को जताएं कि वे जैसे हैं उसी रूप में आप उनसे प्यार करते हैं। वे खुद अपनी बात आपसे शेयर करेंगे। जब बच्चा आपसे कुछ शेयर करता है, तो उसकी पूरी बात सुनें। जैसे यदि वह बताये कि आज पार्क में कोई फूल इकट्ठे किये तो अचानक यह नसीहत न देने लगें कि गुलाब की क्यारी पर क्यों गए, मैले या गंदे हो जाते तो? वह दोबारा कुछ भी साझा नहीं करेगा। बात सुनें व प्यार से समझाएं कि बगैर किसी बड़े के साथ खाद-मिट्टी या कांटे वाली जगह पर खेलना अनुचित क्यों है। कटाक्ष करने वाले शब्दों का इस्तेमाल न करें जैसे %तुम सच में बहुत ही गंदे बच्चे हो%। इसकी बजाय कहें %बेटे अब तुम बड़े हो रहे हो%। इससे बच्चे को यह नहीं लगेगा कि वह परिवार के काम का ही नहीं है। मनोवैज्ञानिक एडलर कहते हैं कि अपमानित करने वाले व चुभने वाले शब्दों का प्रयोग बच्चों को आपसे दूर तो करता ही है साथ ही वे खुद के भीतर कुंठा विकसित कर लेते हैं। जबकि सकारात्मक शब्द बच्चों को आत्मविश्वासी बनाने के साथ अच्छा बर्ताव करने में मददगार होते हैं। इससे उन्हें मेहनत कर सफलता पाने में आसानी होती है।

धुंधलाए अतीत की जीवंत झांकी

कनाडा को यदि संग्रहालयों का देश कहा जाए तो शायद गलत नहीं होगा। इस देश में कोई भी बड़ा-छोटा नगर और कस्बा ऐसा नहीं है जहां संग्रहालय की स्थापना न की गई हो। कनाडाई जीवन तथा समाज से जुड़ा कोई ही पक्ष ऐसा होगा जिसके अभ्युदय, विकास, उपलब्धियों और भविष?यगत संभावनाओं का विशद् विवरण इन संग्रहालयों में न मिलता हो। अपनी विरासत और संस्कृति के साथ-साथ विश्व-सभ्यताओं तथा संस्कृतियों का ऐतिहासिक लेखा-जोखा यहां के संग्रहालयों-विथिकाओं में जाना समझा जा सकता है। कनाडा के अतिरिक्त ईरान, चीन, फ्रांस, अमेरिका, ब्रिटेन और एशिया महाद्वीप के साथ इस?लाम, यहूदी, ईसाई, बौद्ध और विश्व की अन्य कई राष्ट्रीयताओं-धर्मों की गहन जानकारी इन संग्रहालयों में सहज उपलब्ध है। वर्तमान समय की शिक्षा, विज्ञान, कृषि, तकनीक, खेल, सिनेमा-थियेटर, प्रकृति, समाजशास्त्र, भू-विज्ञान, कला-संस्कृति, मानव शास्त्र, जीव-जगत तथा रक्षा पद्धति के प्रत्येक पहलू को अत्यन?त सूक्ष्मता एवं सहजता से इनमें प्रदर्शित किया गया है।

कनाडा में संग्रहालयों की अवधारणा ने 16 मई 1856 को आकार लिया और कुछ ही समय में विस?तृत फलक को छूने लगी। इस विस्तार तथा महत्व को समझते हुए इनका प्रबंधन सन? 1927 से एक संघीय विभाग द्वारा किया जाने लगा। वास्तव में संग्रहालय कनाडा की ऐसी धरोहर हैं जहां विद्यार्थियों को व्यावहारिक शिक्षा और मनोरंजन, नागरिकों को समृद्ध जानकारी के साथ राहत, शोधार्थियों को ज्ञान के साथ सहयोग, लेखकों को समझ विकसित करती सामग्री, वरिष्ठ नागरिकों को अकेलेपन से निजात विरासती दाय के रूप में मिलता है। 'अप?पर कनाडा विलेज' में लेखक स्वयं इन विचार-संज्ञाओं का गवाह बना है। यहां घूमते हुए यह अहसास निरन?तर बना रहता है कि यह स्थान एक ही समय में ज्ञान के स्रोत और पिकनिक स्थल दोनों हैं। सप्ताहांत के दिनों सपरिवार यहां घूमना जीवन का अभिन्न अंग है।

विद्यार्थियों-शोधार्थियों को निशुल्क, वरिष्ठ नागरिकों को 20 से 30 फीसदी छूट के साथ प्रवेश दिया जाता है। कनाडा के प्रत्येक नगर-कस्बे मे एक-दो संग्रहालय ऐसे हैं, जिन्हें देख-समझ कर वैचारिक तृप्ति का एहसास होता है। जिस बड़ी संख्या में इनकी स्थापना की गई है उससे इनके महत्व और उपादेयता को समझा जा सकता है -वेंकुवर-30, मांट्रियल-10, ऑटवा-8, कैलगरी-11,टोरंटो-18,क?यूबेक-16। ब्रैमटन, हैमिल्टन, नियाग्रा, किंग्स्टन, बैंफ, एडमोंटन, हेलीफैक्स तथा विन?नीपेग सरीखे छोटे शहरों में भी संग्रहालयों की चमक और प्रभाव को अनुभव किया जा सकता है। भ्रमण के दौरान दर्शक इनसे बतियाते चलते हैं, जब उनके समाज का अतीत साकार हो सम्मुख आ खड़ा होता है। संग्रहालयों में फिल्मांकन और विभिन्न संभागों में कम?प?यूटर पर जानकारी पाकर जीवंतता का एहसास ठीक उसी तरह होता है जैसे कुरुक्षेत्र पेनोरमा में महाभारत युद्ध काल का होता है। 'अप?पर कनाडा विलेज' एक खुला संग्रहालय है, जिसके कर्मचारी जब एक-डेढ़ शताब्दी पहले के कनाडा का जन-जीवन और समाज संरचना को तत्कालीन परिवेश तथा वेशभूषा में हमसे वार्तालाप करते हुए प्रदर्शित करते हैं, तो लगता है हम उसी दुनिया का हिस्सा हैं।

कभी-कभी जब हम गहरे अतीत में झांक कर इतिहास के पन्नों को पलटते हुए अपने परिवार और समाज को जानने का प्रयास करते हैं तो तीन-चार पीढ़ी तक जाकर रुक जाते हैं। समाज से जुड़े विचार तो मानस-पटल पर उभरते हैं, लेकिन उनकी तस्वीर बहुधा धुंधली रह जाती है। ऐसे में व्यक्ति की कल्पनाओं के रंग एक-दूसरे से जुदा दिखाई देते हैं। यह स्थितियां उस समय परिमाणात?मक रूप में बदल जाती हैं, जब इतिहास चित्रों अथवा संरचनाओं द्वारा साक्षात हमारे सम्मुख आ खड़ा होता है।

सन? 1961 में स?थापित 'अप?पर कनाडा विलेज' दो शताब्दियों पूर्व के अपने धुंधलाए अतीत को संजोकर चटक रंगों में तत्कालीन मानव और समाज की दास्तां कहता खुला संग्रहालय है। जो कभी सेंट लॉरेंस नदी किनारे से विलुप्त या नष्ट हुए उन?नीसवीं शताब्दी के ब्रिटिश शासन कालीन दस गांवों की पुनर्प्रस्तुति करता है। यहां उस दौर की पुनर्निर्मित चालीस इमारतों द्वारा कृषि, लघु उद्योग, व्यापार और सामान्य जनजीवन के अनूठे दृश्य उकेरे गए हैं। यह संग्रहालय कनाडा की पहली राजधानी किंग्स्टन और दूसरी राजधानी मॉन्ट्रियल के मध्य वर्तमान राजधानी ओटवा से अस?सी किलोमीटर दूर मौरिसबर्ग में सेंट लॉरेंस नदी के

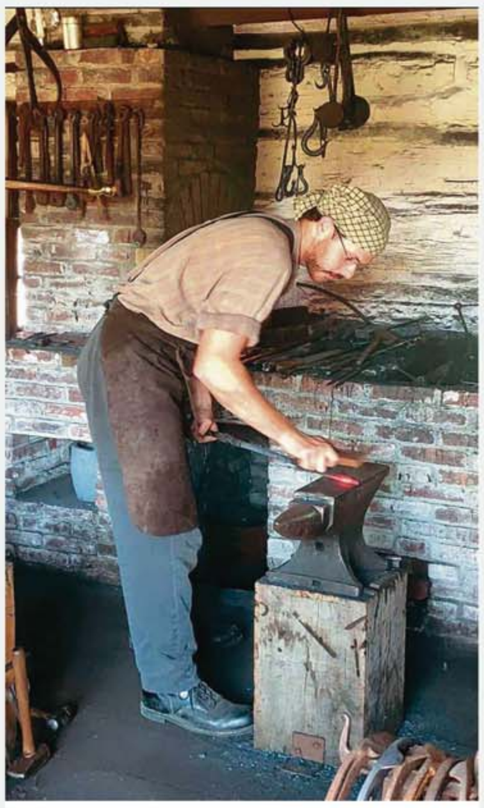

पार्श्व में आबाद है।

कनाडा का राजनीतिक इतिहास बहुत पुराना नहीं है। इतने कम समय में उसके समुचित आर्थिक विकास, राजनीतिक स्थिरता, सहज लोक व्यवहार, बहुआयामी संस्कृति, जातीय विभिन्नता और समृद्ध सामाजिक परंपराओं को देखकर उसके इतिहास को जानने की जिज्ञासापरक उत्कंठा जाग्रत होती है। यह हकीकत है कि संघीय स्तर पर कनाडा बहुसंस्कृति और बहुभाषी होते हुए भी उसके नागरिक एक-दूसरे के प्रति समता, भाईचारे का भाव रखते हैं। सम?भवत- इसका प्रमुख कारण यहां के मूल निवासियों का उदार आचरण रहा है।

ऐसा माना जाता है कि कनाडा के फर्स्ट नेशन या मूल निवासी, लगभग बारह हजार वर्ष पूर्व एशिया से यहां आए। यह लोग सीमित साधनों द्वारा जलमग्न भूमि तल (द्वीप) से होते हुए साइबेरिया से अलास्का तक पहुंचे थे। एक मान्यता यह भी है कि साठ हजार वर्ष पूर्व अज्ञात लोग आर्कटिक क्षेत्रों से यहां आए। लेकिन अधिसंख्य मत यही है कि मूल कनाडाई लोग एशिया से सम्बद्ध हैं, जिनकी निकटतम समानताएं उत्तरी अमेरिका (कनाडा) के आर्कटिक लोगों तथा साइबेरियाई समकक्षों से मेल खाती हैं। वास्तव में ये लोग यायावर प्रवृत्ति के रहे होंगे जो भोजन और निवास के नए इलाकों को तलाशते यहां आ पहुंचे। अटलांटिक महासागर और उत्तरी अमेरिका इस दृष्टि से अत्यधिक समृद्ध क्षेत्र था। फिर यहां की भौगोलिक स्थितियां भी उनके अनुकूल थीं। यूरोप तथा एशिया से आने वाले नागरिकों को यही क्षेत्र सबसे पहले मिलता है। यहीं से सेंट लॉरेंस नदी जल मार्ग द्वारा अमेरिका तक पहुंचना भी सुगम था।

सुरक्षित निवास और भोजन के साथ औपनिवेशिक मानसिकता को आधार माना जाए तो फ्रांस, स्पेन, ब्रिटेन और अमेरिका ने 16वीं शताब्दी से अपने अधिपत्य स्थापना के प्रयास किए। लेकिन अंततः सफलता ब्रिटेन को मिली और सन 1867 से कनाडा एक स्वतंत्र संघीय राष्ट्र के रूप में ब्रिटिश शासन का अहम देश बन गया। प्रशासनिक आवश्यकताओं और सुविधाओं की उपलब्धता के अनुरूप लोग सेंट लॉरेंस नदी के आस-पास नियाग्रा, योर्क, किंग्स्टन, मौरिसबर्ग, कॉर्नवाल, स्टोरमोंट, डुंडास तथा ग?लेनगैरी में बसने लगे। उस समय यह क्षेत्र अप?पर कनाडा कहलाता था जो बाद में ओंटारियो प्रोविन?स बना। 200 साल पहले यहां आबाद हुए लोगों की ही वास्तविक तथा मनोरंजक दास्तान कहता है-'अप?पर कनाडा विलेज'।

संग्रहालय कनाडाई जीवन का अभिन्न अंग हैं। अपनी युवा पीढ़ी, विशेषत- विद्यार्थियों में इतिहास को जानने-समझने की सोच-जिज्ञासा बनाए रखना इनका सर्वोपरि ध?येय है। अप?पर कनाडा विलेज एक खुले संग्रहालय के रूप में दो शताब्दियों पूर्व स्थापित अपने समाज और प्रकृति के सर्वांगीण पक्षों की विशद और वास्तविक तस्वीर सौंपता है। इसकी विशेषता समाज का पुनर्प्रस्तुतीकरण है, जिसमें कोई बनावटीपन नहीं। यहां वस्तुओं को सजाया नहीं गया अपितु सैकड़ों कर्मचारी, युवक-युवतियां उसी दौर की वेशभूषा में, उसी समय के संसाधनों के साथ हमारे समक्ष मौजूद रहते हैं। ऐसा आभास बना रहता है कि हम भी तत्कालीन समाज का हिस्सा बन गए हैं। लुहार, बढ़ई, श्रमिक, कृषक, मोची, मछुआरे और पारिवारिक सेवकों की पोशाक, कार्यशैली, व्यवहार और खानपान उनके सामान्य जीवन को चिह्नित करता है। दूसरी तरफ धनाढ्य व्यापारी, संपन्न जमींदार, पादरी तथा भद्र महिलाओं की वैभवपूर्ण जीवन शैली को रेखांकित करता है। इन लोगों के आकर्षक परिधान, केश-सज्जा, जूतों तथा सिर पर रखे हैट से इनकी ऊंची हैसियत को परखा जा सकता है। यद्यपि उस समाज में आर्थिक विषमता स्पष्ट परिलक्षित होती थी तथापि जातिगत भेदभाव का कोई चिह्न मौजूद नहीं था। संपन्न घरों की स्त्रियां संगीत और नृत्य सीखतीं, पुस्तकें पढ़तीं, क्लब जातीं और सैर-सपाटा करतीं तो सामान्य गृहणियां खेतों, रसोई और अन्य जगहों पर काम करते गुजर-बसर करती थीं। पुरुषों की स्थिति भी मिलती-जुलती थी। उपर्युक्त तथ्यों को इस गांव की संरचनाएं भली-भांति परिपुष?ट करती हैं। अप?पर कनाडा विलेज में दर्शाए संसाधनों को उसी रूप में प्रदर्शित किया गया है जैसा वो उस युग में थे। यथा- वूलन मिल?स, आटा चक्की, आरा मशीन तथा छापाखाना का पानी अथवा भाप से चलना। खेत-खलिहान, दुकान तथा घर में प्रयुक्त यंत्र, वर्तमान मशीनी युग से बहुत दूर, हाथों से ही चलाए जाते हैं। हां समृद्ध लोगों के घर पक्के व नदी किनारे हैं, जबकि आमजन के घर छोटे व कुछ उपेक्षित से लकड़ी के बने हैं। लेकिन धार्मिक स्थलों पर सभी का व्यापार सौहार्द्रपूर्ण रहता है। संभव है आज के कनाडा में सांस्कृतिक विविधता के बावजूद एकता-भाव इन्हीं से विरासत में मिला हो।

बच्चे, विद्यार्थी और अधेड़ कनाडाई नागरिकों और विश्व के अन्य देशों से आए सैलानियों को खुले आकाश के नीचे छतनार वृक्षों के बीच विशाल नदी के सान्निध्य में ग्रामीण रास्तों-पगडंडियों पर चहकते उत्साह भरे भावों को अभिव्यक्त करते देखना आनन्दित करता है। कोई वूलन मिल्स देखकर चकित है तो किसी को बेकरी अच्छी लगी है। किसी को मोची की दुकान तो कोई चर्च की बनावट देखकर आश्चर्यचकित है। बच्चों को नदी का फैलाव, लहलहाती फसल और डॉक्टर का आकर्षक घर अच्छा लगा, तो महिलाएं दर्जी, बढ़ई की दुकान और रॉबर्टसन का आलीशान बंगला और उसकी महिलाओं को देखकर खुशी से बतियाती हैं। युवाओं का जमघट मधुशाला और वेश्यालय को विस?फरित नेत्रों से निहार रहा है। लेकिन स?कूल की इमारत को देखकर सभी को हैरानी हुई कि दो शताब?दी पहले का समाज शिक्षा के प्रति कितना सजग था। मौरिसबर्ग स्थित अप?पर कनाडा विलेज में आस-पास के 80 किलोमीटर क्षेत्र में दो शताब्दी पूर्व बसे गांवों- केम?प?टविल, लैंकेस?टर, ब्रोक्विल, किर्कवुड, ग्रीनविल, अर्नेस?टो, नार्थ अगस?टा, विलियम?सबर्ग, मोरिक्विल तथा ग?लेनगैरी- से आरा मशीन, बेलीमाई आटा चक्की, असेल्सटाईन वूलन मिल्स, फायर इंजन, रॉस फार्म हाऊस, विद्यालय भवन, पनीर फैक्ट्री, रॉबर्टसन का बंगला, विलियार्ट होटल के साथ डाकघर, परचून दुकान, लुहार, मोची, बढ़ई, दर्जी और घरेलू सेवकों का आशियाना उसके वास्तविक रूप में स्थापित किया गया है। नष्ट हुए भवनों की उनके चित्रों और वर्णनों के आधार पर पुनर्स्थापना की गई है। इन्हें देखते-परखते पूरा दिन कब बीत जाता है, सैलानी जान ही नहीं पाता। बस लौटते हुए अपने समृद्ध अतीत की स्मृतियों की मिठास उसके मानस-पटल पर अमिट प्रभाव अंकित कर जाती है।

निरापद नहीं मासूमों का दूध भी

माइक्रो प्लास्टिक बड़ों व बच्चों की सेहत के लिए खतरा बन रहा है। घरों के बर्तनों व बच्चों के दूध की बोतलों के जरिये भी यह शरीर में घुसपैठ कर रहा है। कहा तो यह भी जा रहा है कि अब मां का दूध भी सुरक्षित नहीं। यहां तक कि उपभोक्ता तक पहुंचे बोतलबंद पानी में भी सूक्ष्म प्लास्टिक कण मौजूद हैं। माइक्रोप्लास्टिक कणों के संबंध में कुछ खबरें जीवन तथा पर्यावरण दोनों के लिए चिंतित करने वाली हैं। न्यूजीलैंड के आकलैंड में छतों पर हजारों माइक्रोप्लास्टिक पार्टिकल्स मिल रहे हैं जो बारिश के पानी में आ रहे हैं। वेस्ट वाटर से समुद्र में पहुंचे ये कण समुद्र के इकोसिस्टम का हिस्सा बन जाते हैं, फिर बारिश बन धरती पर लौट आते हैं। इंसानी खून तक को माइक्रोप्लास्टिक कणों ने गिरफ्त में ले लिया है। यूनिवर्सिटी ऑफ एम्सटर्डम के मेडिकल सेंटर में एक रिसर्च में 22 लोगों के खून सेम्पल लिए गए। पता चला कि इनमें से 17 ब्लड डोनर के शरीर में माइक्रोप्लास्टिक है। माइक्रोप्लास्टिक प्लास्टिक या फाइबर के एक से पांच एमएम तक के बेहद छोटे टुकड़े होते हैं। ये सूक्ष्म कण शरीर में पहुंचकर नुकसान करते हैं। वर्ष 2015 में भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर ने बोतलबंद पानी पर रिसर्च की थी। इसमें 27 फीसदी बोतलों के पानी में ब्रामेट नामक रसायन की मात्रा तय मानकों से ज्यादा पाई गई। स्टडी के मुताबिक प्लास्टिक के ये सूक्ष्म कण पानी से अलग करने बहुत मुश्किल हैं। वहीं हर बार खाने के साथ हमारे शरीर में करीब 100 प्लास्टिक के छोटे कण जाते हैं। ब्रिटेन की हेरियटवाट यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने कुछ घरों में खाने की मेज पर रखे बर्तनों की जांच की तो पाया कि डिनर के अंत में प्लेटों में प्लास्टिक के 14 कण पाए गए, जो 114 प्लास्टिक फाइबर के समान हैं। विडंबना है कि इंसान प्लास्टिक खा-पी भी रहा है तथा पहन भी रहा है। टूथपेस्ट के साथ यह मुंह में जा रहा है। कई मेकअप के सामान में मौजूद रहता है। सीवेज सिस्टम से यह प्लास्टिक नदियों-समुद्रों तक पहुंचता है। समुद्र में बुरी तरह प्लास्टिक घुल चुका है। नमक के साथ यह रसोई तक पहुंचता है। सप्लाई के पानी के 80 फीसदी नमूनों में माइक्रोप्लास्टिक मिला होता है। रिसर्च में यह भी खुलासा हुआ कि छह किलोग्राम सिंथेटिक टेक्सटाइल से बने कपड़ों को धोने पर करीब 7 लाख माइक्रोप्लास्टिक फाइबर निकलते हैं। नालियों से होते हुए लगभग 35 फीसदी माइक्रोप्लास्टिक सिंथेटिक टेक्सटाइल महासागरों में पहुंच जाते हैं। यूरोपीय संघ के प्लास्टिक के खिलाफ आंदोलन में उजागर किया गया कि शहद में माइक्रोप्लास्टिक की खासी मात्रा होती है। वहीं पानी में घुले माइक्रोप्लास्टिक के कण मछलियों के पेट तक पहुंच जाते हैं व फिर आहार के जरिये शरीर में। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने कॉस्मेटिक प्रोडक्ट्स में इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक को बैन करने की मांग की है। संस्था का कहना है कि साइड इफेक्ट को देखते हुए पूरी दुनिया में माइक्रोप्लास्टिक को बंद करने की जंग चल रही है। अब तक सिर्फ नीदरलैंड और अमेरिका ने ही कॉस्मेटिक उत्पादों में माइक्रोबीड्स के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाया है। ब्रिटेन की पर्यावरण ऑडिट कंपनी के मुताबिक ये प्लास्टिक कण हजारों किलोमीटर दूर समुद्र में मिल रहे हैं। समिति ने इन कणों का इस्तेमाल तुरंत बंद करने की अपील की है।

कई देशों में इस प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने के प्रयास हो रहे हैं।

फ्लोरिडा में बीयरकैन्स के ऊपर लगने वाले प्लास्टिक केरिंग की जगह गेहूं-जौ से

आवेश में संयम से स्वस्थ तन-मन

गुस्से को आमतौर पर सामाजिक जीवन में परेशानियां पैदा करने वाले मनोभाव के रूप में देखा जाता है। व्यक्तित्व की छवि बिगाड़ने वाला इमोशन माना जाता है। बर्ताव के पक्ष पर नकारात्मकता लिए सोच और ठहराव की कमी के समान समझा जाता है। यह सब सही भी है पर क्रोध के खामियाजे हमारी सोच से कहीं ज्यादा हैं। गुस्सा मन को ही नहीं, तन को भी बीमार कर देता है। गुस्से से शरीर के हर हिस्से पर असर पड़ता है। क्रोध कई बीमारियों को न्योता देता है। यहां तक कि पुरानी व्याधियों को भी फिर बढ़ा देता है। इस विषय में बहुत से विशेषज्ञों के विचार सोचने और समझने योग्य हैं। ताकि विचार, व्यवहार और स्वास्थ्य कुछ भी क्रोध के खामियाजों की जद में न आये।

सबसे पहले तो हार्मोनल बदलाव कर शरीर की इम्युनिटी कम करता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, गुस्से का अपना एक मैकेनिज़्म होता है। जो शरीर में कई तरह के बदलाव करता है। इसके चलते कई ऐसे हार्मोन्स का लेवल बढ़ जाता है जो शरीर के लिए फायदेमंद नहीं हैं। गुस्से की वजह से हमारे मन-मस्तिष्क और शरीर में हॉर्मोन्स का नकारात्मक असर होता है। विशेषकर कोर्टिसोल हार्मोन का रिसाव बढ़ जाता है जिससे इंसान तनावग्रस्त रहने लगता है। इसे स्ट्रेस हार्मोन भी कहते हैं। स्ट्रेस हार्मोन को बढ़ाने वाले बहुत से कारणों में ज्यादा गुस्सा आना सबसे अहम है। इतना ही नहीं, क्रोध के कारण अनिद्रा की समस्या भी बढ़ जाती है। चैन की नींद न ले पाने के कारण शरीर की सभी क्रियाएं प्रभावित होती हैं। पूरी दिनचर्या बिगड़ जाती है। जो कुल मिलाकर स्वास्थ्य सहेजने वाले हमारे हार्मोन्स को भी असंतुलित करती है।

विशेषज्ञ कहते हैं कि गुस्सा शरीर के न्यूरो हॉर्मोनल सिस्टम पर बहुत ज्यादा दबाव डालता है, जो आपातकालीन स्थिति में पहुंचा सकता है।

गुस्से का सबसे ज्यादा जोखिम इंसान का हृदय उठाता है। गुस्से के कारण धमनियां सिकुड़ती हैं। रक्तचाप बढ़ता है। क्रोध के समय हार्ट बीट के साथ ही सांस की गति भी बढ़ जाती है। गुस्से के चलते शरीर और दिमाग दोनों तनाव की चपेट में आ जाते हैं। यह स्थिति भी दिल के लिए खतरा है और क्रोध कम होने के बाद अपराधबोध का भाव भी दिल को दुःखी करता है। दोनों ही बातें इंसान को अवसाद की ओर भी ले जाती हैं। शोधकर्ताओं के मुताबिक, स्वस्थ लोग जो अक्सर गुस्से में रहते हैं या फिर किसी के प्रति द्वेष पालकर रखते हैं, उनमें हृदय रोग होने की संभावना शांत लोगों के मुक़ाबले 19 फीसदी अधिक होती है। कई बार लोगों की यह स्वीकार्यता सुनने में आती है कि %मैं गुस्से था इसलिए गलत फैसला कर लिया7% %क्रोध में आकर यह काम कर डाला 7% या %गुस्से में सही रास्ता सूझा ही नहीं7% दरअसल अनियंत्रित क्रोध की स्थिति में कोई भी इंसान परिस्थितियों को सही ढंग से नहीं समझ पाता। न ही गुस्से में दिमाग सही फैसले कर पाता है। कई बार तो क्रोध के पलों में सोचने-समझने की क्षमता पूरी तरह खो जाती है। तब इंसान ऐसा कुछ भी कह जाता है जो नहीं कहना चाहता। ऐसा कुछ कर बैठता है, जो शांत दिमाग से सोचने पर अविश्वसनीय सा लगता है। बहुत अपराध भी ऐसी मनःस्थिति में ही होते हैं। इतना ही नहीं, गुस्से के कारण याद्दाश्त भी कमजोर होती है। दिमाग को किसी एक काम पर फोकस कर पाने में भी दिक्कत आने लगती है। हर बात में गुस्सा करने वाले तनाव और डिप्रेशन का शिकार भी बन जाते हैं। क्रोध के चलते जाने कितनी ही उलझनें मस्तिष्क को घेर लेती हैं। आमतौर पर पाचन से जुड़ी परेशानियों को शारीरिक बीमारी ही माना जाता है। खान-पान की गड़बड़ी भर से जोड़कर देखा जाता है। जबकि इंसान के मन की भावनाओं का पेट से गहरा संबंध होता है। एक रिसर्च के मुताबिक, अधिक गुस्सा करने और नकारात्मक भावों को मन में जगह देने वाले लोगों का खाना दूसरों की तुलना में तीन से चार घंटे बाद पचता है। बहुत ज्यादा गुस्सा करने की आदत अपच से लेकर कब्ज तक, कई परेशानियों की वजह बनती है। भूख न लगने के पीछे भी कई बार क्रोध बड़ा कारण होता है। गुस्से के चलते अकेलेपन और आत्मकेंद्रित जीवनशैली को चुनने वाले लोगों में ओवर ईटिंग की भी आदत लग जाती है। ऐसी सभी बातें पाचन से जुड़ी परेशानियों को पैदा करती हैं। पहले से चल रही तकलीफों को और बढ़ा देती हैं।

न्यूज चैनल के वजह से गवां दिया बिग बॉस का ऑफर : चारुल मलिक

टीवी एक्ट्रेस चारुल मलिक ने कहा कि उन्होंने बिग बॉस में भाग लेने का अवसर गंवा दिया, क्योंकि वह एक न्यूज चैनल के साथ कॉन्ट्रैक्ट पर काम कर रही थीं। मैं अभी अपने करियर से बहुत खुश हूं क्योंकि अलग-अलग बैकग्राउंड से और अलग-अलग चीजें करने के बाद मैंने लंबा सफर तय किया है। मैं लॉ ग्रेजुएट के बाद न्यूज एंकर से एंटरटेनमेंट प्रोड्यूसर और एंकर और अब एक एक्टर के तौर पर खुद को परख रही हूं।मैं अपने करियर ग्राफ से बहुत खुश हूं और मुझे लगता है कि यह सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। मैं अभी भी कड़ी मेहनत कर रही हूं और कल भी कड़ी मेहनत करूंगी। हर दिन कुछ नया सीखने का प्रयास करती हूं।उन्होंने कहा- जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूं, तो मुझे मेरा स्ट्रगल दिखाई देता है। स्ट्रगल के बिना कोई भी अपने जीवन में कुछ नहीं पा सकता। मैंने कुछ अवसर गंवाए। जब मैं एक न्यूज चैनल में थी, तो मैं कॉन्ट्रैक्ट पर उनके साथ काम कर रही थी। मुझे बिग बॉस का ऑफर मिला, लेकिन मैं कॉन्ट्रैक्ट की वजह से नहीं जा पायी। मैंने वह मौका खो दिया। मुझे अब भी उसी का पछतावा है।हम सभी को स्थिति को अच्छे से संभालना होगा, क्योंकि हमारे पास और कोई विकल्प नहीं है। मैं थोड़ी उदास थी, लेकिन बाद में मैंने सोचा कि शायद यह अवसर मेरे लिए नहीं था और उसके बाद न्यूज चैनल के साथ मेरे कार्यकाल के दौरान, मुझे फराह खान

के साथ बिग बॉस के घर में बुलाया गया और वहां चार से पांच एपिसोड अच्छे से हुए।एक्ट्रेस का कहना है कि पहले की तुलना में आज काम के बहुत अधिक अवसर हैं। उन्होंने कहा, टीवी, फिल्म, थिएटर, ओटीटी, यूट्यूब चैनल्स में वाकई माध्यमों की संख्या में इजाफा हुआ है। लेकिन मैं क्वांटिटी में नहीं क्वालिटी में विश्वास करती हूं। यदि एक अवसर का लाभ नहीं उठाया जाता है, तो अन्य पहले से ही कतार में हैं। मुझे लगता है कि यह एक प्रतियोगिता है जहां आपको दूसरों से अलग होना है।या तो आप उनके जैसे हो सकते हैं या आप अपने दृष्टिकोण में असाधारण हो सकते हैं, अपनी विचार प्रक्रिया में जहां आपको खुद को एक अलग तरीके से चित्रित या प्रदर्शित करना है। इसलिए, प्रतियोगिता वास्तव में कठिन है और व्यक्ति को बहुत अलग और यूनिक होना चाहिए। आपको खुद को अलग तरीके से प्रोजेक्ट करना होगा।उन्होंने कहा, बहुत सारे लोग गलत रास्ते पर भी चल रहे हैं जहां वो ट्रेंड में आने के लिए हर संभव कोशिश कर रहे हैं। मैं ऐसा नहीं करना चाहती। मैं अपने जोन में खुश हूं। लेकिन मैं वास्तव में अच्छे प्रोजेक्ट, अच्छी वेब सीरीज, फिल्में और वेब शो पर काम करना चाहती हूं। मैं कुछ भी अजीबोगरीब पहनकर या कुछ भी अजीब या विवादास्पद कहकर सुर्खियों में नहीं रहना चाहती। मुझे लगता है कि यह मेरा रास्ता नहीं है और मैं उस रास्ते पर नहीं चलना चाहती।

टीवी एक्ट्रेस चंद्रिका के पति ने 15 महीने के बच्चे को फर्श पर पटका, केस दर्ज

टीवी एक्ट्रेस चंद्रिका साहा ने अपने पति अमन मिश्रा के खिलाफ 15 महीने के बच्चे को फर्श पर तीन बार पटकने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई है। खबरों के मुताबिक, एक्ट्रेस ने साझा किया कि वह अपने बच्चे के जन्म से खुश नहीं है।एक्ट्रेस ने

अपनी शिकायत में बताया कि साहा ने बच्चे को रोते हुए देखा था और उसके शरीर पर चोट के निशान थे। फुटेज देखने पर उसे पता चला कि उसके पति ने बच्चे को तीन बार फर्श पर पटका था।बच्चे को मलाड पश्चिम के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

वर्कआउट के दौरान घायल हुए सलमान खान, कहा - टाइगर जख्मी है

हाल ही में किसी का भाई किसी की जान में नजर आए और अपनी अपकमिंग फिल्म टाइगर 3 की तैयारी कर रहे बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान वर्कआउट के दौरान घायल हो गए। एक्टर ने अपने फॉलोअर्स के साथ अपडेट साझा करते हुए सोशल मीडिया पर एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वह कैमरे की तरफ पीठ करके खड़े हुए हैं और उनके कंधे पर काइन्सियोलॉजी टेप लगी है।उन्होंने कैप्शन में लिखा, जब आपको लगता है कि आप पूरी दुनिया का भार अपने कंधों पर

लेकर चल रहे हैं, तो वो कहते हैं कि दुनिया को छोड़ो पांच किलो का डंबल उठाके दिखाओ। टाइगर जख्मी है। हैशटैग टाइगर 3.सलमान की इस तस्वीर को देख फैन्स परेशान हो गए हैं और कमेंट्स करने लगे। एक फैन ने कहा, अपना ख्याल रखना और जल्दी ठीक हो जाओ मेरे टाइगर।इस साल की शुरूआत में, सलमान ने सिद्धार्थ आनंद की पठान में टाइगर की अपनी भूमिका दोहराई। वह और शाहरुख जीरो के बाद एक बार फिर पर्दे पर साथ आए।टाइगर 3 में सलमान कटरीना कैफ और इमरान हाशमी के साथ स्क्रीन शेयर करेंगे।

श्रावणी में निगेटिव रोल पर बोली आरती सिंह, मेरा कैरेक्टर महिला चाणक्य है

अभिनेत्री आरती सिंह, जो वर्तमान में टीवी शो श्रावणी में दिखाई दे रही हैं, नेगेटिव लीड चंद्रा की भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने अपने कैरेक्टर को महिला चाणक्य बताया। आरती सिंह और गौरिका शर्मा ने शो में अपनी भूमिकाओं के बारे में बात की।चंद्रा की भूमिका निभाने पर, आरती ने कहा- चंद्रा किसी भी तरह सब कुछ हासिल करना चाहती है और वह जो चाहती है उसे पाने के लिए कुछ भी करेगी। वह बहुत महत्वाकांक्षी है। चंद्रा महिला चाणक्य की तरह है। उन्होंने कहा, इस भूमिका को निभाना मेरे लिए चुनौतीपूर्ण है। मैंने कभी भी खलनायक की भूमिका नहीं निभाई है, एक पूरी तरह से निगेटिव कैरेक्टर। मैं आम तौर पर तैयारी नहीं करती हूं, मैं स्वाभाविक रूप से कैरेक्टर से

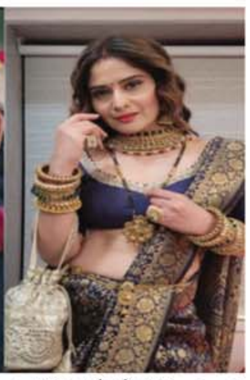

जुड़ जाती हूं। इसके अलावा, मैं लखनऊ से हूं और यह कहानी भी यूपी पर आधारित है, इसलिए बोली और शैली को चुनना मेरे लिए मुश्किल नहीं था।उन्होंने कहा - मैंने कभी भी खलनायक की भूमिका नहीं निभाई है और निश्चित रूप से यह निगेटिव भूमिका है और कहानी का बहुत ही महत्वपूर्ण हिस्सा है। प्रोडक्शन हाउस बहुत अच्छा है। मैं निर्माता और निर्देशक को जानती हूं, उन्होंने पहले कुछ सराहनीय काम किए हैं। यही कुछ कारण हैं जिनकी वजह से मैंने शो लिया क्योंकि मैं अच्छे लोगों के साथ काम करना चाहती थी।श्रावणी का किरदार निभा रहीं गौरिका शर्मा कहती हैं, यह बहुत चुनौतीपूर्ण था क्योंकि मैं श्रवण कुमार का महिला संस्करण निभा रही हूं और अब तक लोगों ने केवल पुरुषों को ही श्रवण कुमार जैसा किरदार निभाते देखा है। यह मेरे लिए एक चुनौती है चंद्रा जैसे किरदार के सामने कैसे पेश आएं।श्रावणी अपने अंधे माता-पिता की देखभाल करने और हर कीमत पर उनकी रक्षा करने के लिए कुछ भी कर सकती है। मुझे लगता है कि यह शो आज के युवाओं को अपने माता-पिता के प्रति जिम्मेदार होने का एक महत्वपूर्ण संदेश देता है।

कान फिल्म फेस्टिवल के रेड कार्पेट पर पैपराजी उर्वशी को समझ बैठे ऐश्वर्या राय बच्चन

कान फिल्म फेस्टिवल के रेड कार्पेट पर वहां मौजूद फ्रेंच पैपराजी ने एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला को गलती से बॉलीवुड स्टार ऐश्वर्या राय समझ लिया। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें पैपराजी को उर्वशी को ऐश्वर्या कहते सुना जा सकता है।क्लिप में दिखाया गया है कि उर्वशी बुधवार को फिल्म काइबत्सु की स्क्रीनिंग के लिए पहुंची। उन्होंने रेड कार्पेट पर ऑरेंज कलर का रफल गाउन पहना हुआ था। उन्हें लोगों का अभिवादन किया, भीड़ में से किसी ने ऐश्वर्या चिल्लाया और उर्वशी ने मुड़कर मुस्कुरा दिया।ऐश्वर्या के एक फैन ने ट्विटर पर उर्वशी का वीडियो शेयर किया और कैप्शन में लिखा, ऐश्वर्या की लोकप्रियता हमेशा बेमिसाल रहेगी। ग्लोबल इवेंट्स में हर भारतीय लड़की को ऐश्वर्या कहा जाता है।
पूर्व ब्यूटी क्वीन और एक्ट्रेस ऐश्वर्या के कान 2023 के रेड कार्पेट पर चलने की उम्मीद है।

होटल व्यवसाय में उतरेंगे सलमान खान, 19 मंजिल के होटल की मिली मंजूरी

हाल ही में सोशल मीडिया पर सलमान खान की एक फोटो वायरल हुई जिसमें उन्होंने रंगबिरंगी बैंडेड लगा रखी थी। फोटो के उन्होंने लिखा था, टाइगर जख्मी है। इस फोटो को अब तक लाखों की तादाद में देखा जा चुका है। बताया जा रहा है कि सलमान खान वर्क आउट करते हुए जख्मी हो गए। अभी उनकी चर्चा इस चोट को लेकर थमी भी नहीं थी कि अब सलमान खान एक और नए विषय के कारण चर्चाओं में आ गए हैं। मीडिया समाचारों के अनुसार सलमान खान होटल व्यवसाय में उतरने जा रहे हैं।बांद्रा में होटल बनाने का प्लान कर रहे हैं सलमान खानप्राप्त समाचारों के अनुसार सलमान खान ने बांद्रा में कार्टर रोड पर एक प्रॉपर्टी खरीदी थी। उनका पहले वहां घर बनाने का मन था लेकिन अब सलमान खान ने प्लान चेंज कर लिया है। ई टाइम्स के मुताबिक भाईजान अब वहां 19 माले का होटल बनाने वाले हैं। जानकारी के

मुताबिक बीएमसी ने सलमान खान को बिल्डिंग बनाने की इजाजत भी दे दी है। खास बात तो यह है कि इस होटल से समंदर का नजारा दिखेगा। सलमान खान एंड फैमिली की ओर से आर्किटेक्ट को जो दिया गया है कि उसके मुताबिक यह इमारत 69.90 की मोटर की होगी। बिल्डिंग के प्लान में होटल के लिए सातवीं से 19 वीं मंजिल रखी गई है।इस वर्ष सलमान खान अपनी ईद पर प्रदर्शित हुई किसी का भाई किसी की जान की असफलता के चलते खासे चर्चाओं में हैं। उनकी चर्चा दीपावली पर प्रदर्शित होने वाली टाइगर-3 को लेकर भी हो रही है। इस फिल्म को लेकर यशराज फिल्म्स जबरदस्त आशावादी नजर आ रहा है। उसे उम्मीद है कि यह फिल्म विश्व स्तर पर पठान के बराबर कारोबार करने में सफल होगी। इसी उम्मीद में आदित्य चोपड़ा ने हाल ही में 35 करोड़ की लागत खर्च करके सलमान खान और शाहरुख खान पर एक एक्शन सीन का फिल्मांकन किया है। आगामी वर्ष ईद पर सलमान खान की कोई फिल्म प्रदर्शित होने वाली नहीं है। हालांकि सलमान खान इन दिनों अपने भाई सोहेल खान की फिल्म शेरखान, साजिद नडियाडवाला की किक-2 और अनीस बज्मी की नो एंट्री-2 को लेकर भी चर्चाओं में हैं। बताया जा रहा है कि सलमान जल्द ही इनमें किसी एक फिल्म को अपनी हरी झंडी देने वाले हैं।

जान्हवी कपूर ने रखा द लिटिल मरमेड की दुनिया में कदम

बॉलीवुड एक्ट्रेस जान्हवी कपूर अपकमिंग फिल्म द लिटिल मरमेड के नए प्रमोशनल एसेट के लिए जलपरी बनी हैं। एक्ट्रेस ने शुक्रवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक वीडियो शेयर किया। वीडियो में, उन्हें राजकुमारी एरियल की जादुई दुनिया में कदम रखते हुए देखा जा सकता है और वह मछली जल की रानी है कहती दिख रही हैं।रॉब मार्शल द्वारा निर्देशित द लिटिल मरमेड में एरियल के रूप में हाले बेली, उर्सुला के रूप में मेलिसा मैक्कार्थी, प्रिंस एरिक के रूप में जोना हाउर-किंग, किंग ट्राइटन के रूप में जेवियर बार्डेम, सेबस्टियन के रूप में डेवेड डिग्स, फ्लाउंडर के रूप में जैकब ट्रेमब्ले, स्कूटल के रूप में अक्वाफिना, नोमा डूमेजवेनी और जूड अकुवुदिके हैं।द लिटिल मरमेड 26 मई को सिनेमाघरों में अंग्रेजी में रिलीज करने के लिए तैयार है।

सुभाष चंद्र बोस की जीवनी पर बनी फिल्म स्पाई का हिंदी टीजर रिलीज

निखिल सिद्धार्थ की अपकमिंग एक्शन थ्रिलर टाइटल स्पाई के तेलुगु टीजर पर 10 मिलियन हिट बटोरने के बाद, निमार्ताओं ने हिंदी वर्जन में भी टीजर जारी कर दिया है। स्पाई टीम ने सोमवार को नई दिल्ली में इंडिया गेट पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर तेलुगु टीजर जारी किया। फिल्म एक राष्ट्रवादी नेता के रहस्यमय ढंग से लापता होने की कहानी पर आधारित एक जासूसी थ्रिलर है।गैरी बीएच द्वारा निर्देशित, जो स्पाई के साथ अपने निर्देशन की शुरूआत कर रहे हैं, फिल्म में मकरंद देशपांडे, ईश्वर्या मेनन, सान्या ठाकुर और अभिनव गोमातम भी लीड रोल में हैं।केइको नाकाहारा और जूलियन अमारू एस्ट्राडा, दोनों सिनेमैटोग्राफर, जिन्होंने पहले अजय देवगन की ब्लॉकबस्टर फिल्म तानाजी और कई हॉलीवुड प्रोजेक्ट्स के लिए क्रमश- काम किया था, फिल्म की प्रोडक्शन टीम का हिस्सा हैं।स्पाई 29 जून को सभी दक्षिणी भाषाओं और हिंदी में भी रिलीज होने वाली है।

ऐसी भूमिकाएं निभाना चाहती हूं जो मुझे कलाकार के तौर पर चुनौती दें - अदिति शेट्टी

भाग्यलक्ष्मी और नागिन 6 जैसे शो का हिस्सा रहीं टीवी अदाकारा और मॉडल अदिति शेट्टी फिलहाल धर्मपत्नी में नजर आ रही हैं और एक्ट्रेस का कहना है कि उन्हें टीवी पर अलग-अलग तरह के रोल एक्सप्लोर करना पसंद है। अभिनेत्री ने कहा कि उनके शो धरमपत्नी में उनका किरदार परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और वह इसे पसंद करती हैं। उन्होंने कहा- एक अभिनेता के रूप में, मेरा लक्ष्य सिर्फ विभिन्न भूमिकाएं निभाना है। मैं ऐसी भूमिकाएं निभाना चाहती हूं जो मुझे एक अभिनेता के रूप में चुनौती दें और मुझे हर दिन बढने और सीखने में मदद करें। धरमपत्नी में काव्या का किरदार मेरे लिएअद्भुत यात्रा रही है, एक कलाकार के रूप में मैंने बहुत कुछ सीखा है और यह मेरे लिए एक पुरस्कृत अनुभव रहा है। मैं असल जिंदगी में काव्या जैसी नहीं हूं और जब मैं काव्या का किरदार निभा रही हूं तो मुझे पूरी तरह से अलग जिंदगी जीने का मौका मिल रहा है। मैं इस भूमिका को पाकर बहुत भाग्यशाली महसूस कर रहा हूं

और इसके साथ न्याय कर पाना मेरा उद्देश्य है। यह कहने के बाद, मैं मुख्य भूमिका के साथ-साथ मजबूत सकारात्मक भूमिकाओं की प्रतीक्षा कर रही हूं क्योंकि मैं एक अभिनेता के रूप में इसे लेने और इसके साथ न्याय करने के लिए तैयार और आश्वस्त महसूस करती हूं।वह किस तरह के रियलिटी शो का हिस्सा बनना चाहती हैं, इस बारे में बात करते हुए वह कहती हैं- मैंने अपने करियर की शुरूआत मॉडलिंग से की थी और उस समय, मुझे उससे संबंधित शो करने में बहुत दिलचस्पी थी। इसलिए मैं इंडियाज नेक्स्ट टॉप मॉडल का हिस्सा थी। मुझे लगता है कि जिस शो में मुझे अपने व्यक्तित्व को दिखाने का मौका मिलेगा वह रोमांचक होगा। हो सकता है कि बिग बॉस मुझे परखने के लिए अच्छा होगा कि मैं कुछ स्थितियों पर कैसे प्रतिक्रिया करती हूं।वह कहती हैं, टीवी अभिनेता होने के बारे में सबसे बड़ा प्लस वह प्यार है जो आपको मिलता है- यह बहुत अभिभूत करने वाला है कि दर्शक आपको कितना प्यार देते हैं। दर्शकों ने मुझे जो प्यार दिया है, उसके लिए मैं बहुत खुशकिस्मत हूं। अभिनय मेरा जुनून है। जागना और अपनी पसंद का काम करना दुनिया का सबसे अच्छा अहसास है। मुझे कैमरे के सामने रहना और परफॉर्म करना बेहद पसंद है। उद्योग में सर्वश्रेष्ठ के साथ इस तरह के अद्भुत अवसर प्राप्त करने के लिए मुझे प्रेरित करता है। मेरा परिवार और दोस्त मेरा काम देखना पसंद करते हैं और उन्हें खुश देखना और अपने दर्शकों का मनोरंजन करना हर दिन बेहतर करने की मेरी अंतिम प्रेरणा है।

समर कैंप में बच्चों को कराया हार्टफुलनेस रिलेक्सेशन और ध्यान

ग्वालियर। विचारों को सकारात्मक दिशा देकर स्वास्थ्य में बड़ा बदलाव किया जा

सकता है, जीवन को आनंदित किया जा सकता है, जो कि योग और ध्यान से संभव है। यह बात जिला योग प्रभारी दिनेश चाकणकर ने शासकीय उमावि बालक थाटीपुर और उत्कृष्ट मुरार में आयोजित समर कैंप में कही। श्री चाकणकर ने कहा कि आप यदि योग, प्राणायाम और ध्यान करते हैं तो आप महसूस कर सकते हैं कि महज अपनी सांस पर ध्यान केंद्रित करने से यानि प्राणायाम करने से शरीर का दर्द भी दूर हो जाता है। अगर दर्द भी रहता है वह सामान्य होता जा रहा है। यदि योग और ध्यान नियमित करते रहें तो आप पाएंगे कि एक दिन तनाव पैदा करने वाले रोजमर्रा के कारक खुद-ब-खुद आपसे दूर जाने लगे हैं। इस अवसर पर श्री अनंत पांडे तथा श्रीमती विमला शर्मा ने बच्चों को हार्टफुलनेस रिलेक्सेशन और ध्यान कराया। इस अवसर पर विकासखंड योग प्रभारी गोविंद मेहरोत्रा, प्राचार्य केपी नायक, मनोज गुप्ता खेल शिक्षक प्रदीप शर्मा, अशोक कुशवाह, अमिता सिंह आदि भी उपस्थित थे।

पंचनामा बनाकर सभी की मौजूदगी में करें शिकायतों का निराकरण : कलेक्टर

ग्वालियर । शिविरों में लोगों की मौजूदगी में बी-1 की तर्ज पर सीएम हैल्पलाइन की शिकायतें पड़कर सुनाएँ और पंचनामा बनाकर शिकायतों का निराकरण करें। साथ ही सभी शिकायतकर्ताओं से फोन के जरिए संपर्क करें, गूगल मीट करें और उन्हें बुलाकर भी शिकायतों का निराकरण किया जाए। इस आशय के निर्देश कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह ने जिले के सभी एसडीएम एवं विभिन्न विभागों के जिला व खण्ड स्तरीय अधिकारियों को दिए। वे मंगलवार को मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान ङ्क द्वितीय चरण की समीक्षा कर रहे थे।मंगलवार को यहाँ जिला पंचायत के सभागार में आयोजित हुई बैठक में कलेक्टर सिंह ने जन सेवा अभियान के तहत 67 प्रकार की सेवाओं से संबंधित आवेदनों के निराकरण की वस्तुस्थिति जानी। उन्होंने सभी अधिकारियों को आगाह किया कि 15 अप्रैल तक दर्ज सीएम हैल्पलाइन की सभी शिकायतों का हर हाल में 31 मई तक निराकरण सुनिश्चित करें। इसमें किसी प्रकार की ड़िलाई बर्दाश्त नहीं होगी। कलेक्टर सिंह ने जन सेवा अभियान के तहत प्रभावी ढंग से शिविर लगाने पर भी विशेष बल दिया। बैठक में अपर कलेक्टर एच बी शर्मा ने जन सेवा अभियान के तहत विभागवार सीएम हैल्पलाइन के निराकरण की विस्तार से समीक्षा की।

मेला प्राधिकरण द्वारा सिंधिया के निर्देशों के विपरीत लिए गए निर्णय में मुख्यमंत्री हस्तक्षेप करें : दीक्षित

ग्वालियर। एडवोकेट संजय दीक्षित ने कहा है कि 2 वर्ष पूर्व केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मेले का शुभारंभ करते हुए प्राधिकरण बोर्ड को स्पष्ट रूप से मना किया था, कि मेला परिसर में मैरिज गार्डनों को तत्काल हटाया जाए तथा दोबारा टेंडर ना किए जाये। किंतु प्राधिकरण ने दोबारा टेंडर करने के फैसले लेकर सिंधिया जी की मंशा के विपरीत कार्य किया है। एडवोकेट संज दीक्षित ने झूला सेक्टर में कैमरे लगाने तथा झूलों की तकनीकी जांच कराने के लिए किये गए प्राधिकरण के फैसले का स्वागत किया है। मध्य प्रदेश आरटीआई फाउंडेशन के प्रदेश अध्यक्ष संजय दीक्षित एडवोकेट ने ग्वालियर मेला प्राधिकरण बोर्ड द्वारा मेला परिसर में स्थापित मैरिज गार्डन के दोबारा टेंडर करने के मामले को केंद्रीय नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया द्वारा 2 वर्ष पूर्व दिए गए निर्देशों का स्पष्ट रूप से उल्लंघन बताते हुए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान से हस्तक्षेप करने की मांग की है। वहीं झूला सेक्टर में सर्वाधिक भीड़ को नियंत्रित करने अपराधों की रोकथाम के लिए सीसीटीवी कैमरे और पॉलिथीन मुक्त बनाने लिए गए जनकल्याणकारी फैसलों का स्वागत किया है।

इण्डस्ट्रियल क्लस्टर एवं नवीन व्यवसायिक स्थलों की आवश्यकता एवं निर्माण की संभावनायें विषय पर कार्यक्रम 24 मई को

ग्वालियर। मध्यप्रदेश चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री के 118वें स्थापना दिवस के अवसर पर बुधवार 24 मई 3को इण्डस्ट्रियल क्लस्टर एवं नवीन व्यवसायिक स्थलों की आवश?यकता एवं निर्माण की संभावनायें विषय पर कार्यक्रम 'चेम्बर भवन' में दोपहर 3 बजे से आयोजित किया गया है।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में संभागीय आयुक्त दीपक सिंह मौजूद रहेंगे। इस कार्यक्रम में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग के अधिकारी, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के अधिकारी क्लस्टर डेवलपमेंट के संबंध में जानकारी प्रदान करेंगे। वहीं सेडमैप की कार्यकारी संचालक श्रीमती अनुराधा सिंघई ऑनलाइन प्रजेंटेशन देंगी तथा जिज्ञासाओं का समाधान करेंगी।इस कार्यक्रम के तहत ग्वालियर में संभावित क्लस्टर्स जैसे- इंजीनियरिंग, प्लास्टिक, कंफेक्शनरी, फार्मा आदि के क्लस्टर्स बनाये जाने की दिशा में पहल की जायेगी। वहीं ग्वालियर में नवीन व्यवसायिक स्थलों की आवश?यकता एवं उनके निर्माण की संभावनाओं पर भी कार्यवाही सुनिश?चित की जायेगी7 के अध्यक्ष-डॉ. प्रवीण अग्रवाल, संयुक्त अध्यक्ष-हेमंत गुप्ता, उपाध्यक्ष-डॉ. राकेश अग्रवाल, मानसेवी सचिव-दीपक अग्रवाल, मानसेवी संयुक्त सचिव-पवन कुमार अग्रवाल एवं कोषाध्यक्ष-संदीप नारायण अग्रवाल द्वारा व्यवसायी एवं उद्योगपतियों से उक्त कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में पधारने की अपील की

भगवान जगन्नाथ जी की भव्य रथयात्रा 18 जून को

ग्वालियर।अंतर्राष्ट्रीय कृष्ण भावनामृत संघ ग्वालियर के तत्वाधान में एक विशाल भव्य भगवान जगन्नाथ जी की रथ यात्रा का आयोजन 18 जून रविवार को दिव्य और वैदिक परंपरागत तरीके से किया जाएगा। यह जानकारी संघ के प्रबंधक इस्कान महेंद्र प्रभु जी ने पत्रकारों को दी।

इस्कान प्रबंधक महेंद्र ने बताया कि उड़ीसा में स्थित भगवान जगन्नाथ जी महाराज की रथयात्रा के 10 दिन पहले से ही देश में स्थित सभी जगन्नाथ मंदिरों पर रथ यात्रा भव्य दरबार लगाए जाते हैं7 इसी कड़ी में ग्वालियर में 18 जून रविवार को रथ यात्रा एवं दीप भितरवार लगाया जाएगा जिसमें देश एवं प्रदेश के कई शहरों से हजारों लोग इस भव्य कार्यक्रम में शामिल होंगे7 यह कार्यक्रम दोपहर 12 बजे से प्रारंभ होगा, जिसमें आकर्षक अलग-अलग कीर्तन मंडली या जिसमें विदेशी भक्त भी सम्मिलित होंगे और संकीर्तन विभिन्न धुनों पर नृत्य करते हुए नजर आएंगे7 इस अवसर पर रथयात्रा के दौरान जगह-जगह प्रसादी वितरण की जाएगी एवं रथ यात्रा का भव्य स्वागत जगह जगह पर किया जाएगा यह रथयात्रा जी वाईएमसीए अचलेश्वर रोड से प्रारंभ होकरइंदरगंज चौराहा, दाल बाजार लोहिया बाजार दौलतगंज, महाराज वाडा, छत्री मंडी मैं समापन होगा7 जहां भगवान जगन्नाथ जी की आरती व विश्राम के तत्पश्चात विशाल प्रसादम भंडारे का आयोजन किया जाएगा7 इस रथयात्रा मैं शामिल होने के लिए सभी भक्तजनों से आग्रह किया गया है

कलेक्ट्रेट की जनसुनवाई में 110 से अधिक आवेदकों की हुई सुनवाई

ग्वालियर ।कलेक्ट्रेट की जन-सुनवाई में इस बार लगभग 110 से अधिक आवेदक अपनी समस्यायें लेकर पहुँचे। कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह एवं अपर कलेक्टर एच बी शर्मा सहित जिला प्रशासन के अन्य अधिकारियों ने एक ङ्क एक कर सभी आवेदकों की समस्यायें सुनीं और उनके आवेदनों के निराकरण की रूपरेखा तय की। कलेक्टर सिंह ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जनसुनवाई के माध्यम से प्राप्त जन सामान्य के आवेदनों को गंभीरता से लें और पूरी संवेदनशीलता व तत्परता के साथ निराकरण करें। कलेक्ट्रेट की जनसुनवाई में बहुत से जरूरतमंदों के निःशुल्क इलाज का इंतजाम कराया गया। साथ ही जमीन संबंधी समस्याओं के निराकरण के लिये संबंधित एसडीएम एवं तहसीलदार को निर्देशित किया गया। जनसुनवाई में लगभग 84 आवेदन दर्ज किए गए। साथ ही लगभग दो दर्जन से अधिक आवेदन निराकरण के लिये विभागीय अधिकारियों को सीधे सौंपे गए। है।

त्यागी नगर की विभिन्न गलियों में सड़क निर्माण के लिये भूमिपूजन

ग्वालियर। 16 ग्वालियर पूर्व से विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने आज वार्ड क्रमांक 26 के त्यागी नगर की विभिन्न गलियों में सड़क निर्माण के लिये भूमिपूजन किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती ममता अरविंद शर्मा, अरविंद शर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष विनोद जैन, अनिल शर्मा, रूपेष दुबे, प्रतीक जैन 'लालू', राहुल गुर्जर, विकास उपाध्याय, दाऊ मुदगल एवं क्षेत्र के नागरिक एवं कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस मौके पर विधायक डॉ. सतीष सिकरवार ने कहा कि क्षेत्र का विकास व प्रगति मेरा लक्ष्य है। क्षेत्र की जनता की मांग और मंशा के अनुरूप कार्य कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति महगांई, बेरोजगारी और भ्रष्ड़टाचार से परेशान है। रसोई गैस, बिजली, डीजल, पेट्रोल की लगातार मूल्य वृद्धि की जा रही है, घर की रसोई का बजट बिगाड़ दिया है। खाद्य पदार्थों पर जी.एस.टी. लगाकर गरीब व मध्यम वर्ग का जीना मुश्ड़किल कर दिया है। उन्होंने कहा कि युवा वर्ग रोजगार के लिए भटक रहा है, परन्तु भाजपा सरकार ने रोजगार उपलब्ध कराने के लिए कोई कदम नहीं उठाया। विधायक डॉ. सिकरवार ने आम जनता को भरोसा दिलाया कि क्षेत्र के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। क्षेत्रीय नागरिकों ने विधायक डॉ. सिकरवार का पुष्ड़पहार पहनाकर स्वागत किया।'हाथ से हाथ जोड़ों' पदयात्रा16 ग्वालियर पूर्व विधानसभा के मुरार ब्लॉक में शाम 5 बजे वार्ड 25 के मुरार शासकीय अस्पताल के सामने कृष्ड़णा पुरी पर कांग्रेस कार्यकर्ता एकत्रित हुये, यहां से विधायक डॉ. सतीश सिकरवार के नेतृत्व में 'हाथ से हाथ जोडो' पद यात्रा शुरू की। कांग्रेस कार्यकर्ता पार्टी के झंडे हाथों में लेकर चल रहे थे। पद यात्रा कृष्ड़णा पुरी की सभी गलियों में घर-घर पहुंची और जनता से सीधे संपर्क किया। इस दौरान विधायक डॉ. सिकरवार का पुष्पहार पहनाकर क्षेत्रीय नागरिकों ने जगह-जगह आत्मीय स्वागत किया। 'हाथ से हाथ जोडो' पद यात्रा में दौरान विधायक डॉ. सिकरवार के साथ एम.आई.सी. सदस्य अवधेश कौरव, ब्लॉक अध्यक्ष विनोद जैन, अनिल शर्मा, पार्षद केदार बरहादिया, सुरेन्द्र साहू, रूपेश दुबे, राहुल गुर्जर, प्रतीक जैन, जसवंत शेजवार, विकास उपाध्याय, सतेन्द्र सिकरवार, बिल्ला सिकरवार, हिमांशु कीकन, कुंती सगर, रेखा जाटव, हरेन्द्र नागर, राजेश तोमर, बृजेन्द्र सिंह तोमर 'कल्लू' आदि मौजूद रहे।

खुशियों की दास्तां : भवन निर्माण की अनुमति पाकर खुशी से झूमे विश्वजीत.

ग्वालियर7 न तो नगर निगम से हमें भवन निर्माण की अनुमति मिल रही थी और न ही बैंक वाले घर बनाने के लिये लोन देने के लिये तैयार थे। वजह थी जिस बस्ती में हम रहते हैं वह अवैध कॉलोनी की श्रेणी में आती थी। पर अब हमारी कॉलोनी वैध हो गई है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान प्रदेश भर के भानजी और बहनों का तो ध्यान रखते ही हैं, उन्होंने अवैध कॉलोनियों को वैध कर हम जैसे भाजनों को बड़ी सौगात दी है। इसके लिये उनका बहुत-बहुत धन्यवाद । यह कहना है न्यू बैंक कॉलोनी ग्वालियर निवासी विश्वजीत उपाध्याय का। मंगलवार को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा भोपाल में आयोजित कार्यक्रम के जरिए प्रदेश भर के शहरों की अवैध कॉलोनियों को नियमितीकरण एवं भवन अनुज्ञा प्रदान करने की घोषणा की। इसी के साथ विश्वजीत उपाध्याय की कॉलोनी भी वैध हो गई और उन्हें यहाँ बाल भवन में आयोजित हुए जिला स्तरीय कार्यक्रम में बीज एवं फॉर्म विकास निगम के अध्यक्ष मुन्नालाल गोयल व नगर निगम सभापति मनोज तोमर द्वारा भवन निर्माण की अनुमति सौंपी गई। भवन निर्माण की अनुमति पाकर विश्वजीत उपाध्याय की खुशी देखते ही बनी। विश्वजीत कहने लगे कि वर्षों से चली आ रही अवैध कॉलोनी को मुख्यमंत्री चौहान ने वैध कर हमारी कॉलोनी (न्यू बैंक कॉलोनी) के निवासियों पर बड़ा उपकार किया है। अब हमारी बस्ती का भी शहर की पॉश बस्तियों की तरह न केवल विकास होगा बल्कि बैंक भी यहाँ के निवासियों को घर बनाने के लिये लोन देने में नहीं हिचकेंगे।

सराहनीय पहल :गरिमा वैश्य अपने पौधों की देखभाल बच्चों की तरह करती हैं

ग्वालियर। ग्वालियर के हृदय स्थल महाराज बाड़े के समीप अपने घर को ही उद्यान बनाकर हजारों की संख्या में पौधरोपण करने वाली सुश्री गरिमा वैश्य का प्रकृति प्रेम देखकर लोग आश्चर्य चकित हैं। घर की 14 छतों पर विभिन्न प्रकार के सब्जी, फल, फूल उगाकर गरिमा ने यह साबित कर दिया है कि अगर इच्छाशक्ति हो तो कोई भी कार्य असंभव नहीं है। अपने घर में लगे पौधों की देखभाल भी सुश्री गरिमा ऐसे करती हैं जैसे लोग अपने बच्चों की करते हैं। कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह को जब टेरिस गार्डन की प्रशंसा सुनने को मिली तो वे अपने आपको रोक नहीं पाए और पहुँच गए गरिमा वैश्य के प्रयासों को देखने। उन्होंने घर में ही इतने व्यवस्थित और बहु संख्या में फल, फूल और सब्जी के पौधों को देखकर न केवल आश्चर्य चकित हुए बल्कि गरिमा वैश्य की लगन और प्रकृति प्रेम पर उन्होंने भूरि-भूरि प्रशंसा की। उनके साथ संत कृपाल सिंह भी उपस्थित थे। कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह ने गरिमा वैश्य के पूरे आवास में भ्रमण कर उनके द्वारा लगाए गए विभिन्न प्रजातियों के पौधों को देखा और उसके रखरखाव के संबंध में विस्तार से जानकारी ली। सुश्री गरिमा ने बताया कि वे अपने माता-पिता से प्रेरित होकर पिछले कई वर्षों से पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कार्य कर रही हैं। अपने घर में ही छतों पर विभिन्न प्रकार के पौधे लगाकर उनकी देखभाल पूरी निष्ठा से कर रही हैं। आज उसके निवास पर एक हजार से अधिक विभिन्न प्रजातियों के पौधे सुरक्षित हैं और लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रहे हैं। कलेक्टर सिंह ने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग जैसे खतरे को भांपते हुए पूरे देश में लोग प्रकृति के स्वाभाविक स्वरूप को लौटाने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे में ग्वालियर की गरिमा वैश्य का यह सार्थक प्रयास हम सबके लिये प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि ग्वालियर में अन्य लोग भी इनसे प्रेरणा लेकर इस प्रकार के कार्य करें, इसके लिये हम सब प्रयास करेंगे। कलेक्टर ने यह भी आश्वस्त किया कि शासन-प्रशासन की ओर से भी सुश्री गरिमा वैश्य का सहयोग लेकर शहर के अन्य स्थानों पर भी इस तरह के गार्डन तैयार किए जायेंगे।कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह एवं संत कृपाल सिंह ने इस मौके पर सुश्री गरिमा वैश्य के साथ पेड़-पौधों की देखरेख कर रहे समर्पित व्यक्तियों का शॉल-श्रीफल भेंट कर सम्मान किया।

कांग्रेस जिला स्तरीय आरोप पत्र एवं वचन पत्र समिति की बैठक हुई

ग्वालियर। शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ देवेन्द्र शर्मा के निर्देश पर कांग्रेस भवन शिंदे की छावनी पर कांग्रेस की जिला स्तरीय आरोप पत्र एवं वचन पत्र समिति की बैठक आरोप पत्र समिति के संयोजक अमर सिंह माहौर एवं वचन पत्र समिति के संयोजक राजेन्द्र सिंह नाती की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।कांग्रेस की जिला स्तरीय आरोप पत्र एवं वचन पत्र समिति में चंबल से पानी लाने की परियोजना, भाजपा द्वारा की गई झूठी घोषणायें, सड़क, बिजली, पानी जनता की बुनियादी सुविधायें, स्मार्ट सिटी के नाम पर शहर की सड़कों खोद कर डाल दिया गया है आदि मुद्दों पर चर्चा की गई एवं ग्वालियर महानगर के विकास और जनता से जुड़ी समस्याओं को दूर करने आदि से संबंधित वचन कांग्रेस के वचन पत्र में शामिल करने पर चर्चा की गई। बैठक में जेएच जाफरी, एड. देशराज भार्गव, रामरतन सिंह यादव, श्रीमती वीणा भारद्वाज, रविन्द्र सिंह भदौरिया, जीवाजी राव मंडोले, डॉ. राकेश सिंह भदौरिया, शंकर गाबरा, आविद नकबी, राजवीर सिंह राठौर, पियुष जैन, कुलदीप मगरैया आदि उपस्थित थे।

उद्यमिता विकास कार्यक्रम के तहत पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ

ग्वालियर। कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय विकास संस्थान एवं जन शिक्षण संस्थान ग्वालियर के संयुक्त तत्वावधान में पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 22 मई से अचलेश्वर के समीप ÷वुमन केयर हर्बल इंस्टीट्यूट÷ में प्रारंभ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में चेम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल द्वारा जन शिक्षण संस्थान के द्वारा शहर के युवा वर्ग को आत्मनिर्भर बनाने व व्यवसाय से जो?ने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए चेम्बर के द्वारा उद्यमिता विकास के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों को सहभागियों के बीच रखा । प्रवीण अग्रवाल द्वारा उद्यम के क्षेत्र में आगे आने वाले संकल्पित प्रशिक्षणार्थियों को चेम्बर की ओर से हर संभव सहयोग करने का आश्वासन दिया। साथ ही चेम्बर द्वारा आयोजित गतिविधियों में जन शिक्षण संस्थान के सदस्यों को शामिल होने हेतु आमंत्रित किया।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478